डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

24 मार्च 2025

सोमवार

इस बार तेजस्वी बनेंगे मुख्यमंत्री : लालू यादव

2

आधार कार्ड से लिंक होगा वोटर आईडी कार्ड, चुनाव में उठने वाले सवालों पर लगेगा विराम

एजेंसी/नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने फैसला किया है कि वोटर कार्ड को अब आधार के जरिए लिंक किया जाएगा। इस फैसले पर जल्द ही तकनीकी पहलुओं पर काम शुरू किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने यूआईडीएआई के सीईओ और केंद्रीय गृह सचिव के साथ बैठक की। इस बैठक में यह सहमति बनी कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किए बिना वोटर कार्ड के ईपीआईसी नंबर को आधार से लिंक किया जाएगा।संविधान और कानून के अनुसार आधार से लिंकिंगचुनाव आयोग ने प्रेस रिलीज में कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, मतदान का अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही प्राप्त है। आयोग ने बताया कि ईपीआईसी को आधार से जोड़ने का यह कदम संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4), 23(5) और 23(6) के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा और यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप होगा।कांग्रेस का विरोध और चिंताएंविपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पार्टी ने चुनाव आयोग से अपील की है कि इस प्रक्रिया में कोई भी मतदाता छूट न जाए। कांग्रेस ने यह भी सुझाव दिया कि चुनाव आयोग को इस संबंध में सभी राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श करना चाहिए।भारत में मतदाता संख्या और आधार कार्ड डेटाभारत में 2024 लोकसभा चुनाव के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 97 करोड़ 97 लाख मतदाता हैं, जबकि 2019 के चुनाव में यह आंकड़ा 91 करोड़ 20 लाख था। यूआईडीएआई के अनुसार, सितंबर 2023 तक भारत में 138 करोड़ लोगों के पास आधार कार्ड है।

फैसले पर क्या कहती है कांग्रेस: कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग के इस कदम को स्वीकारते हुए बयान जारी किया। कांग्रेस ने कहा है कि, यह कदम राहुल गांधी के मतदाता सूचियों के बारे में लगाए गए आरोप की स्पष्ट स्वीकृति है। कांग्रेस का आरोप है कि महाराष्ट्र विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बीच असामान्य बढ़ोत्तरी हुई थी और कई मतदाता सूची में एक व्यक्ति के नाम एक से अधिक बार दर्ज थे। बयान में यह भी कहा गया कि कांग्रेस पार्टी चुनाव प्रक्रिया में सुरक्षा उपायों के साथ रचनात्मक समाधान का स्वागत करती है ताकि किसी भी व्यक्ति को वोट देने के अधिकार से वंचित न किया जाए। कांग्रेस नेताओं ने यह आरोप लगाया है कि भाजपा जानबूझकर इस तरह के नियम लेकर आ रही है। देश के कई ऐसे इलाके है जहां पर अभी भी लोग आधुनिक तकनीकी से नहीं जुड़े है। उनका आधार व वोटर कार्ड लिंक नहीं हो पाएगा। वैसे लोग मतदाधिकार से वंचित रह जाएंगे। इसका सीधा फायदा भाजपा उठाने के प्रयास में जुड़ी हुई है। जबकि मताधिकार को उपयोग भारतीय नागरिक की पहली प्राथमिकता मानी जाती है। किसी भी नागरिक को इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

कानून मंत्रालय और चुनाव आयोग फॉर्म 6बी में करेगा संशोधन

कानून मंत्रालय फॉर्म 6बी में संशोधन करेगा, जिसमें यह बताया जाएगा कि आधार विवरण स्वैच्छिक है या नहीं, और अगर नहीं तो कारण भी स्पष्ट किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव के दौरान सुधारों पर फोकस किया है और उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से 30 अप्रैल 2025 तक सुझाव मांगे हैं। आधार को वोटर कार्ड से जोड़ने के दो तरीके हैं। नेशनल वोटर सर्विस पोर्टल के जरिए इस प्रक्रिया को स्वयं पूरा किया जा सकता है। इसमें नाम, ईमेल आईडी और आधार नंबर डालकर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करना होगा। अगर आधार मोबाइल नंबर से लिंक नहीं है, तो आधार की कॉपी अपलोड की जा सकती है।चुनाव आयोग और यूआईडीएआई के सहयोग से डाटा लिंकिंगचुनाव आयोग के पास फिलहाल 66 करोड़ लोगों का आधार डेटा है जिन्होंने स्वेच्छा से अपना डेटा दिया है, हालांकि इन्हें अभी लिंक नहीं किया गया है। आयोग इस डेटा को यूआईडीएआई के साथ मिलकर लिंक करेगा।

कठुआ में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में रविवार को सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास सान्याल गांव में तलाशी अभियान शुरू किया। मौके पर दोनों ओर से रुक रुककर गोली चलने की आवाज आ रही है। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। सूत्रों के मुताबिक सेना ने कई आतंकियों को घेरा हुआ है। फिलहाल संख्या के बारे में पुष्टि नहीं हो पाई है। मिली जानकारी के अनुसार देर रात तक कार्रवाई चलने की संभावना है।

खबरें फटाफट

नीतीश ने दावत-ए-इफ्तार में किया रोजेदारों का स्वागत

पटना। पवित्र रमजान के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मेजबानी में एक अणे मार्ग स्थित नेक संवाद परिसर में दावत-ए-इफ्तार का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और बड़ी संख्या में रोजेदारों ने शिरकत कर इफ्तार की पाक परंपरा को साझा किया। इफ्तार से पहले मित्तन घाट के सज्जादानशीं हजरत सैयद शाह शमीमउद्दीन अहमद मुनअमी ने रोजे और रमजान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर राज्य की तरक्की, अमन-चैन, आपसी भाईचारे और मोहब्बत के लिए खुदा से सामूहिक दुआ कराई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित सभी अतिथियों ने दुआ में शिरकत कर समाज में शांति और एकता की कामना की। उन्होंने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को पुष्पगुच्छ भेंट कर, पारंपरिक टोपी और साफा पहनाकर अभिनंदन किया।सीएम ने सभी आमंत्रित अतिथियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की।

ईवीएम के अलावा कई गंभीर मुद्दों पर विपक्ष का हमला, कहा- चुनाव प्रक्रिया प्रदूषित

चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं, यह निष्क्रिय एवं विफल संस्था: सिब्बल

- विपक्षी गठबंधन इंडिया की एकजुटता पर जोर दिया गया
- न्यायिक प्रणाली के प्रति विश्वास कम होता जा रहा है

एजेंसी/नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग को निष्क्रिय और विफल संस्था बताया। उन्होंने कहा कि लोगों के एक बड़े वर्ग को चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है क्योंकि इसने अपनी सांविधानिक जिम्मेदारियों के अनुसार कार्य नहीं किए हैं। इसके अलावा उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया की एकजुटता पर जोर दिया। सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग में अविश्वास के मुद्दे से जितनी जल्दी निपटा जाएगा, लोकतंत्र को बचाने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। चुनाव आयोग एक निष्क्रिय संस्था है। चुनाव आयोग ने अपने कर्तव्यों के अनुसार अपने कार्यों का निर्वहन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को संदेश यह है कि ईवीएम के अलावा, कुछ गंभीर मुद्दे हैं जो वास्तव में यह दशार्ते हैं कि चुनाव प्रक्रिया प्रदूषित है। जो चुनाव परिणाम आए हैं, वे कई स्तरों पर हेरफेर के कारण सकते हैं। हमें उस मुद्दे को एक साथ हल करना चाहिए।विपक्षी गठबंधन इंडिया को लेकर सिब्बल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक को एक दिखना चाहिए, न कि अलग-अलग। उन्होंने विपक्षी गठबंधन के लिए एक औपचारिक ढांचे की बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय दलों को भविष्य के लिए एक सुसंगत नीति, वैचारिक रूपरेखा और एक कार्यक्रम की आवश्यकता है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि मुझे लगता है कि इस विपक्षी गठबंधन को एक ब्लॉक के रूप में दिखना चाहिए, न कि एक अलग ब्लॉक के रूप में, जैसा कि वह सार्वजनिक रूप से दिखता है। मैं राज्य स्तर या राष्ट्रीय स्तर की बात नहीं कर रहा हूं, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर जिस तरह से विचार किया जाता है, उसमें सामंजस्य होना चाहिए और जब तक वह तंत्र नहीं बनाया जाता और जब तक ब्लॉक के प्रवक्ता नहीं होते, मुझे नहीं लगता कि यह बहुत प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकता है। बेशक अगर बिल पास हो जाता है तो इसे चुनौती देने वालों के पास विकल्प मौजूद हैं। सिब्बल ने कहा कि गठबंधन के लिए औपचारिक राजनीतिक संरचना को लेकर वह लंबे समय से लड़ रहे हैं।

पहले जनगणना, फिर हो परिसीमन

परिसीमन को लेकर सिब्बल ने कहा कि देश की राजनीति पर इसके बहुत गंभीर प्रभाव हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बैठक बुलाई और कांग्रेस के प्रतिनिधियों सहित कई प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि इसका हमारी राजनीति के भविष्य पर असर पड़ता है, लेकिन किसी भी मामले में शर्त यह है कि जब तक नई जनगणना नहीं हो जाती, परिसीमन नहीं होगा। हमने नई जनगणना नहीं की है क्योंकि 2021 में भी ऐसा नहीं हुआ। पहले जनगणना और फिर परिसीमन। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि लोगों में न्यायिक प्रणाली के प्रति विश्वास कम होता जा रहा है। विकल्प तभी मिल सकते हैं जब सरकार और न्यायपालिका दोनों यह स्वीकार करें कि न्यायाधीशों की नियुक्ति सहित मौजूदा प्रणालियां काम नहीं कर रही हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर कथित रूप से भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में बोलने से परहेज करते हुए सिब्बल ने कहा कि इस मामले से निपटने के लिए एक आंतरिक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों से न्यायपालिका के बारे में विभिन्न पहलुओं पर चिंताएं रही हैं। एक चिंता भ्रष्टाचार को लेकर है और भ्रष्टाचार के कई अर्थ हैं। एक अर्थ यह है कि कोई न्यायाधीश किसी आर्थिक लाभ के कारण निर्णय सुनाता है। भ्रष्टाचार का दूसरा रूप अपने पद की शपथ के विपरीत काम करना है, जो यह है कि वह बिना किसी भय या पक्षपात के निर्णय सुनाएगा।

बोले जयराम... आरटीआई कानून में जल्द बदलाव करने की जरूरत

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 की एक धारा को खत्म करने का आग्रह किया है। इस धारा को लेकर जयराम ने दावा किया कि यह सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई), 2025 को नष्ट करता है। इसको लेकर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम ने केंद्रीय मंत्री वैष्णव को एक पत्र लिखा है। जयराम ने कहा कि डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 की धारा 44 (3) आरटीआई कानून की धारा 8 की उप-धारा (1) में खंड जे (सूचना जो व्यक्तिगत जानकारी से संबंधित है) को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करती है। इस बदलाव के कारण उपधारा में सब कुछ हटा दिया गया है, जिसमें वह प्रावधान भी शामिल है, जिसमें कहा गया था कि बशर्ते कि जो सूचना संसद या राज्य विधानमंडल को देने से इन्कार नहीं की जा सकती, उसे किसी व्यक्ति को देने से इन्कार नहीं किया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा कि आरटीआई की धारा 8(1)(जे) का वह प्रावधान, जो नागरिकों को उनका प्रतिनिधित्व करने वाले विधायकों के समान सूचना पाने का अधिकार देता है, पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में आरटीआई अधिनियम को पारदर्शिता और जवाबदेही का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए सरकार से डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 की धारा 44(3) को रद्द करने की अपील की। उन्होंने कहा, पारदर्शिता और जवाबदेही के हित में है। इस धारा को हटाने पर पुनर्विचार करें। क्योंकि यह आरटीआई अधिनियम, 2005 को खत्म करने जैसा है।मसौदा अधिसूचना में कहा गया है, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 (2023 का 22) की धारा 40 की उप-धाराओं (1) और (2) की तरफ से प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार की तरफ से अधिनियम के लागू होने की तिथि को या उसके बाद बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमों का मसौदा, इससे प्रभावित सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

पत्नी के साथ बेल्जियम में रह रहे भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की तैयारी

एजेंसी/नई दिल्ली

गीतांजलि जेम्स के मालिक और 13,850 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ बेल्जियम में रह रहा है। ये बेल्जियम के एंटवर्प शहर में रेजीडेंसी कार्ड पर रह रहें है। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के बाद 2018 में भारत से एंटीगुआ-बारबूडा भाग गया था। चोकसी को भारत लाने के लिए अधिकारियों ने बेल्जियम सरकार से प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। मेहुल चोकसी और नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। इससे पहले चोकसी ने पासपोर्ट सस्पेंड होने के कारण भारत नहीं लौट पाने का बहाना बनाया था। 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। मेहुल चोकसी बार- बार खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार देता था। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं। चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से गायब होकर पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। यहां उसे अरेस्ट कर लिया गया। सीबीआई की एक टीम उसका प्रत्यर्पण कराने के लिए डोमिनिका पहुंची। लेकिन इसके पहले ही ब्रिटिश क्वीन की प्रिवी काउंसिल से उसे राहत मिल गई। बाद में उसे फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया। डोमिनिका की जेल में मेहुल चोकसी को 51 दिन गुजारने पड़े थे। मेहुल चोकसी ने बेल्जियम में निवास पाने के लिए झूठे और फर्जी दस्तावेज जमा किए। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता छुपाकर गलत जानकारी दी, ताकि उसे भारत न भेजा जा सके। मेहुल चोकसी अब स्विट्जरलैंड जाने की योजना बना रहा है।

राणा सांगा को गद्दार कहने वाले का समर्थन कर रहे अखिलेश

एजेंसी/नई दिल्ली

समाजवादी पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान के बाद राजनीति गरमाई हुई है। बीजेपी के तमाम नेता इस बयान को लेकर सपा समेत पूरे विपक्ष को घेर रहे हैं। इस बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि अखिलेश यादव अपने सांसद रामजी लाल द्वारा राणा सांगा को गद्दार कहने का समर्थन कर रहे हैं। अमित मालवीय ने कहा कि तुष्टिकरण में लिप्त सपा प्रमुख अखिलेश यादव अपने सांसद रामजी लाल द्वारा महान वीर राणा सांगा को गद्दार कहने का समर्थन कर रहे हैं। यह सिर्फ राजपूत समाज ही नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज का अपमान है। महाकुंभ पर भी लगातार की जा रही विकृत टिप्पणियां कोई अपवाद नहीं, बल्कि सपा की ओछी हिंदू-विरोधी मानसिकता का परिचय हैं, जिसकी वजह से यूपी की जनता ने सपा को प्रदेश की राजनीति के निचले पायदान पर धकेल दिया है।

मणिपुर उच्च न्यायालय के स्थापना की मनाई गई 12वीं वर्षगांठ, कई दिग्गजों ने लिया हिस्सा

संविधान पर बातचीत से मिलेगा हर समस्या का हल: जस्टिस गवई

एजेंसी/इंफाल

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने रविवार को मणिपुर हिंसा का समाधान खोजने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मणिपुर राज्य में हो रही समस्याओं का समाधान संवैधानिक तरीकों से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अगर बातचीत की जाए तो समाधान जल्दी मिल सकता है। बता दें कि इन दिनों सुप्रीम कोर्ट क पांच न्यायाधीशों का प्रतिनिधिमंडल मणिपुर के दो दिवसिय दौरे पर है। इसी दौरान न्यायमूर्ति गवई ने ये बातें कही। न्यायमूर्ति गवई ने मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की 12वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित समारोह में कहा कि राज्य में हर कोई शांति चाहता है। उन्होंने कहा कि कोई भी मौजूदा हिंसा या संघर्ष की स्थिति को जारी नहीं रखना चाहता। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि राज्यपाल के प्रयासों से मणिपुर में जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

अपनी मणिपुर यात्रा को बताया महत्वपूर्ण : न्यायमूर्ति गवई ने आगे अपने मणिपुर यात्रा को महत्वपूर्ण बताया। कारण का जिक्र करते हुए गवई ने कहा कि मणिपुर वह जगह है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस और भारतीय राष्ट्रीय सेना ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया था और 1944 में पहली बार भारतीय ध्वज फहराया गया था। न्यायमूर्ति गवई ने आगे कहा कि हमारा देश संविधान को अपनाए हुए 75 साल मना रहा है और जब हम भारत को अपने पड़ोसी देशों से तुलना करते हैं, तो यह साफ होता है कि हमारा संविधान हमें एकजुट और मजबूत रखता है।

बिष्णुपुर में राहत शिविरों का किया दौरा : न्यायमूर्ति गवई ने बताया कि उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान मणिपुर के चूड़ाचांदपुर और बिष्णुपुर में राहत शिविरों का दौरा किया। साथ ही वहां के लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वहां उपस्थित सभी लोगों ने शांति की बहाली की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर के लोग वर्तमान स्थिति को जारी रखने के बजाय संवैधानिक तरीकों से राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए एकजुट होकर काम कर सकते हैं।

बोलें राज्यपाल आरिफ मोहम्मद... जाति के नाम पर दीवारें नहीं उठाएं

♦ एक दूसरे की टांग न खींचे तो बिहार देश का नेतृत्व कर सकता है

केटी न्यूज/पटना

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को कहा कि संप्रदाय और जाति के नाम पर दीवारें नहीं उठानी चाहिए। बिहार में इतना टैलेंट है कि अगर एक दूसरे की टांगों को नहीं खींचे तो बिहार अपने अतीत को फिर से दोहरा सकता है। फिर उसी जगह बैठ सकता है, जहां बैठकर बिहार पूरे देश का नेतृत्व करता था। दरअसल, राज्यपाल पटना के भारतीय व्यापार प्रबंधन संस्थान में अंग प्रदेश के गांधीः बनारसी बाबू' पुस्तक के विमोचन में पहुंचे थे। इस किताब को डॉ रणवीर कुमार ने लिखी है। बनारसी बाबू एक स्वतंत्रता सेनानी और मुंगेर से तीन बार सांसद रह चुके हैं। विमोचन कार्यक्रम का की अध्यक्षता विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह कर रहे थे। लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारा काम सबके बीच में छुपी हुई एकता को पहचानकर उसे मजबूत करना है। न कि छोटी-छोटी चीजों पर आपस में दीवारें खड़ी कर दें। परिस्थितियां हमारे वश में नहीं होती। लेकिन परिस्थितियों का मुकाबला कैसे करना है, यह हमारे वश में है। बनारसी बाबू को लेकर राज्यपाल ने कहा कि वे स्वतंत्रता संग्राम के सच्चे योद्धा थे। उन्होंने अपना जीवन गाथा मूल्य सत्य और अहिंसा को समर्पित कर दिया। इस पुस्तक के माध्यम से नई पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा मिलेगी और वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बनारसी बाबू ने न केवल स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया, बल्कि स्वतंत्रता के बाद भी उन्होंने शिक्षा, सामाजिक न्याय और किसानों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। शुरू से ही बनारसी बाबू जीवन में सादगी और शराबबंदी के कट्टर समर्थक थे। जब मुंगेर जिले में नशाबंदी परिषद बना, इस परिषद के अध्यक्ष भी थे। शराबबंदी में उनकी विचारधारा महात्मा गांधी से प्रेरित था। लोकसभा में अपनी अंतिम भाषण 21 मार्च, 1964 सामान्य बजट के दौरान भाषण में भाग लेते हुए उन्होंने कहा था कि यदि एक घंटे के लिए शासन का भार मुझे मिले तो सबसे पहला काम में यह करूं कि शराब बंद करवा दूं। उन्होंने आगे कहा था कि गरीबों का 20 सैकड़ा रुपया शराब में आता है। सरकार से उन्होंने निवेदन किया कि शराब खोरी को बंद करें और इस प्रकार गरीबी को बच्चों के मुंह से रोटी छीनने की व्यवस्था बंद करें।असहयोग आंदोलन के दौरान वर्ष 1920 में बनारसी बाबू कांग्रेस पार्टी के सदस्य बने और जीवन भर लगभग 45 वर्ष तक कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता रहे। राष्ट्रीय आन्दोलन के समय मुंगेर जिला के सम्मेलन और बिहार प्रदेश कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में सक्रिय भूमिका निभाते थे।

बिहार में महागठबंधन के अंदर रार

केटी न्यूज/पटना

बिहार में इसी साल विधानसभा का चुनाव है। इसको लेकर राज्य के अंदर सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारी में लग गई है। इसी कड़ी में बिहार कॉंग्रेस के अंदर पिछले कुछ दिनों में काफी बदलाव हो गया। ऐसे में अब बिहार के कांग्रेस प्रभारी ने एक और बड़ा बयान दिया है। इसके बाद तेजस्वी की टेंशन बढ़ना तय माना जा रहा है। दरअसल, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के मीडिया विभाग के चैयरमैन पवन खेड़ा ने बिहार में राजद से गठबंधन के सवाल पर कहा कि समय आने पर इसका निर्णय होगा। चुनाव में अभी 8 महीने का समय बाकी है। इसके बाद अब सियासी हलचल बढ़ना तय माना जा रहा है। इसकी एक वजह यह भी है कि कांग्रेस अब बिहार में बड़ा बदलाव के तरफ अग्रसर हो रही है। पवन खेड़ा ने बार- बार सवाल पूछे जाने पर भी गठबंधन को लेकर कुछ नहीं कहा। बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार की मौजूदगी में पवन खेड़ा ने कहा कि हमें बिहार के स्वास्थ्य की चिंता है। सीएम के स्वास्थ्य की भी चिंता है। पार्टी ने विस चुनाव के लिए बिहार बदलो - सरकार बदलो का नारा दिया है। मालूम हो कि,पहले सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस 70 से एक भी कम सीट पर राजी नहीं हैं। कांग्रेस के कई नेता कह चुके हैं कि बिहार में कांग्रेस अ पार्टी के तौर पर चुनावी मैदान में कूदी है। यही नहीं बड़े भाई और छोटे भाई की थ्योरी को भी कांग्रेस ने नकार दिया है। पार्टी का मानना है कि महागठबंधन में कोई बड़ा और छोटा नहीं होता है। अब कांग्रेस ये साफ कर चुकी है कि महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे में पार्टी इस बार ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ने की के बजाय जीत की अधिक संभावना वाली सीट हासिल करने की कोशिश करेगी।

मोतिहारी के कल्यानपुर में सरकार पर गरजे राजद सुप्रीमो

इस बार तेजस्वी बनेंगे मुख्यमंत्री : लालू यादव

♦ कॉमरेड यमुना यादव की पुण्यतिथि पर आरजेडी सुप्रीमो ने सभा को किया संबोधित

केटी न्यूज/मोतिहारी

मनोज यादव को मंत्री बनाया जाएगा

कार्यक्रम में लालू ने कल्याणपुर विधायक मनोज यादव को लेकर भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की सरकार बनने पर मनोज यादव को मंत्री बनाया जाएगा। लालू ने याद किया कि मनोज के पिता यमुना यादव ने उनके मुख्यमंत्री काल में कई योजनाओं की मांग की थी। उन्होंने सभी मांगें पूरी की थीं।

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को जोरों पर है। राजनीतिक पार्टी अभी से ही जनता से वादे पर वादे कर रही है। सियासत के धुरंधर लालू यादव भी इस चुनाव में अपनी पार्टी को जीत दिलाने के लिए रणनीति तैयार करने में जुटे हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार में सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता है। लालू यादव ने लोगों से आरजेडी की सरकार बनाने की अपील की और माई बहिन योजना को पूरा करने का वादा किया है।

मोतिहारी के कल्यानपुर से राजद विधायक मनोज यादव के पैतृक गांव कोटवा प्रखंड के जमुनियां में कॉमरेड यमुना यादव की पुण्यतिथि पर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान लालू यादव ने कहा कि जब वह मुख्यमंत्री थे, तो राजद विधायक मनोज यादव के पिता यमुना यादव ने कई योजनाओं की मांग की थी, जिन्हें उन्होंने पूरा किया था। अब कल्यानपुर से राजद विधायक मनोज यादव को फिर से जिताना है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार में सरकार बनानी है। लालू यादव ने दावा किया कि कोई माई का लाल सरकार बनने से नहीं रोक सकता है। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को जोरों पर है। राजनीतिक पार्टी अभी से ही जनता से वादे पर वादे कर रही है। सियासत के धुरंधर लालू यादव भी इस चुनाव में अपनी पार्टी को जीत दिलाने के लिए रणनीति तैयार करने में जुटे हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार में सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता है। लालू यादव ने लोगों से आरजेडी की सरकार बनाने की अपील की और माई बहिन योजना को पूरा करने का वादा किया है। मोतिहारी के कल्यानपुर से राजद विधायक मनोज यादव के पैतृक गांव कोटवा प्रखंड के जमुनियां में कॉमरेड यमुना यादव की पुण्यतिथि पर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान लालू यादव ने कहा कि जब वह मुख्यमंत्री थे, तो राजद विधायक मनोज यादव के पिता यमुना यादव ने कई योजनाओं की मांग की थी, जिन्हें उन्होंने पूरा किया था।

बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट नारे से चिराग ने भरी चुनावी हुंकार

केटी न्यूज/गया

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी चुनावी तैयारियों का आगाज ऐतिहासिक गया जिले की धरती से किया है। बोधगया विधानसभा क्षेत्र के फतेहपुर में आयोजित विशाल जनसभा में चिराग पासवान ने जनता से सीधे संवाद करते हुए एलजेपी (आर) को मजबूत समर्थन देने की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि बिहार के विकास का सपना अभी अधूरा है और उसे पूरा करने की जिम्मेदारी अब एलजेपी (आर) उठाएगी। उन्होंने कहा कि हम बिहार को नए विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं गया एक मकसद से आया हूं- बिहार को आगे ले जाने का। यह साल महत्वपूर्ण है, क्योंकि आगामी विधानसभा चुनाव बिहार के अगले पांच वर्षों का भविष्य तय करेगा। चिराग पासवान ने विपक्षी दलों की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि हमने कई बार ऐसे लोगों को सत्ता सौंपी, जिन्होंने बिहार को सिर्फ पिछड़ेपन की ओर धकेला। आज भी बिहार देश के सबसे पिछड़े राज्यों में गिना जाता है और इसे अब बदलना होगा। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा, ऐसे में बिहार को भी विकसित राज्यों की सूची में शामिल करने के लिए नई सोच और नई सरकार की आवश्यकता है।

सीवान बालिका गृह कांड में तीन कर्मी पर गिरी गाज

सीवान। जिले वृहद आश्रय गृह से 13 बालिकाओं के एक साथ दीवार फांदकर भागने की घटना ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी है। घटना की जांच के लिए जिला पदाधिकारी द्वारा गठित संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से ड्यूटी पर तैनात प्रभारी केयरटेकर सुनीता देवी और प्रभारी पीओ कुमारी शिवानी जायसवाल को कार्यमुक्त कर दिया गया है। ड्यूटी पर मौजूद होमगार्ड सिपाही को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

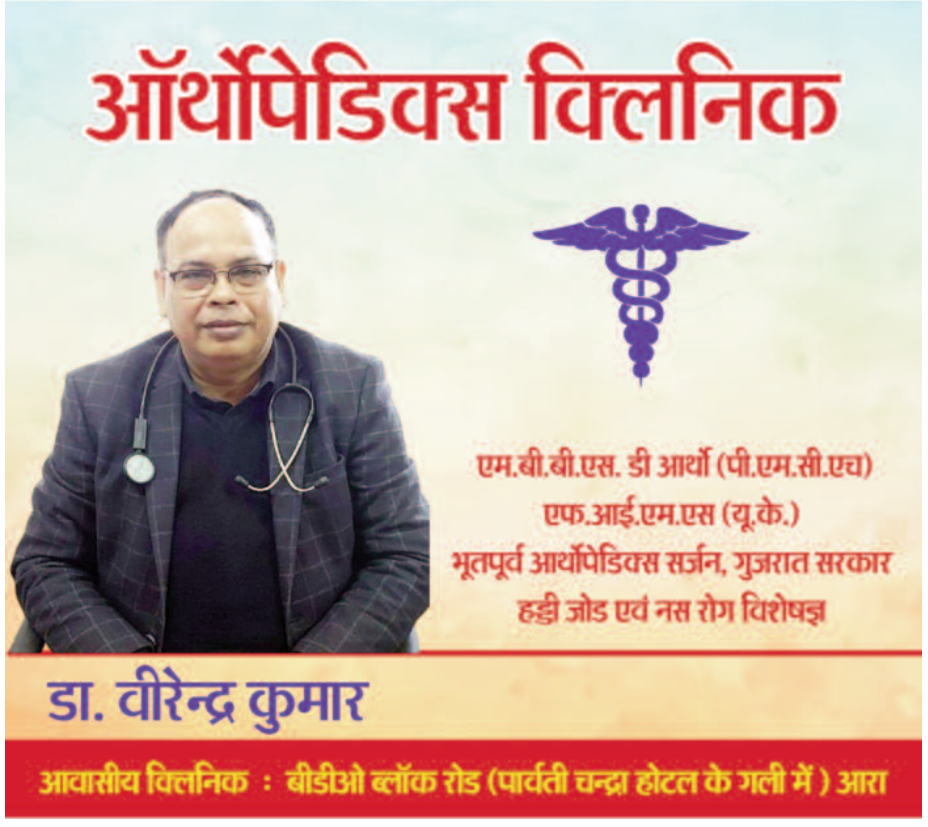

बक्सर लोकसभा क्षेत्र में पहली बार कमल खिलाने वाले थे पूर्व सांसद स्व. लालमुनी चौबे

स्व. लालमुनी चौबे की पूण्यतिथि पर विशेष

स्व. लालमुनी चौबे बक्सर लोकसभा क्षेत्र में पहलीबार कमल खिलाने वाले सांसद थे। वे बिना लाव लश्कर के अकेले एक जीप के सहारे क्षेत्र का दौरा करनेवाला सांसद थे तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नजदीकी सांसद थे। वाजपेयीजी उन्हें ज्यादा दुलार भी देते थे, जिसका मुख्य कारण उनकी ईमानदार छवि, कार्य के प्रति जागरूकता, कर्तव्य निर्वहन में निपुण

तथा बेबाकी व अक्खड़ स्वभाव था।

लोकसभा चुनाव 2009 का आम चुनाव का प्रचार चल रहा था, बक्सर हवाई अड्डा पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सभा हो रही थी, स्व. चौबे इस सभा में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में मंचासीन थे। प्रधानमंत्री को सुनने के लिए हवाई अड्डा पर काफी संख्या में भीड़ चिल चिलाती धूप के बावजूद उपस्थित थी। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप वोट मुझे थोड़े देते है, आप अटलजी को वोट देते हैं। श्रोताओं ने उनके इस वाक्य का अर्थ अपने तरीके से लगाया, जाहिर है वे चुनाव हार गए, लेकिन चुनाव परिणाम की चिंता छोड़ वे वोटों की गिनती के दौरान अपना गमछा जमीन पर बिछा कर सो गए थे, जो उनके अक्खड़ स्वभाव को दशार्ता है। लोगों व विरोधियों द्वारा उनके संबंध में कई तरह की बातें की जाती थी, जिससे नाराज होकर उन्होंने खुलेआम मंच से एक चुनावी सभा में अपनी अखड़ता दिखा दी।

भभुआ में हुआ था जन्म, बक्सर को बनाया था कर्मस्थली : स्व. चौबे जी का जन्म भभुआ के कुरई गांव में 06 सितंबर 1942 को हुआ था। उनकी शिक्षा 12 वी पास और 1968 में बीएससी पार्ट 1 में थे, वे बीएचयू के छात्र थे। 1969 में भारतीय जनसंघ का सदस्यता ग्रहण कर राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेना शुरू किया। पहली बार 1972 में भारतीय जनसंघ के टिकट पर चैनपुर विधानसभा से चुनाव जीतकर विधायक बनें। 1974 के छात्र आंदोलन में व 1975 में आपातकाल के दौरान काफी संघर्ष किए। इसके बाद 1977 के लोकसभा चुनाव के बाद हुई विधानसभा चुनाव में 30 साल की उम्र में विधायक बनें।

कपूर्री ठाकुर सरकार में स्वास्थ्य मंत्री का दायित्व निर्वहन करते हुए उन्होंने कई कठोर कदम उठाए, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार हुई। जनता पार्टी के टूटने के बाद 1980 में भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ। भारतीय जनता पार्टी में कई दायित्व का निर्वहन किया। 1984 में लोक सभा का आम चुनाव में पार्टी नेतृत्व द्वारा बक्सर से चुनाव लड़ने का आदेश दिया गया। इसके बाद वे बक्सर को ही अपनी कर्म स्थली बना लिए। इस चुनाव में अपनी एक जीप के सहारे बक्सर में कांग्रेस की आंधी से सामना करने आ गए। साधन व संसाधन विहिन स्थिति में बक्सर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े, लेकिन कांग्रेस के सामने हार का सामना करना पड़ा, लेकिन भाजपा के सिंबल पर पहले चुनाव में राजपुर, बक्सर, डुमरांव, ब्रह्मपुर, शाहपुर व जगदीशपुर विधानसभा के मतदाताओं ने एक वोट राष्ट्र के नाम भाजपा के पक्ष में वोटिंग किया। इस चुनाव में लगभग 54000 मत उन्हें मिला। 1996 में पार्टी ने लालमुनि चौबे को पुनः टिकट दिया और बार वे बक्सर का सांसद बनने में सफल रहे। 1996 से 2009 तक बक्सर का चार बार प्रतिनिधित्व किए। 2009 के चुनाव में हारने के बाद 2014 में पार्टी ने टिकट से वंचित कर दिया और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री अश्वनी चौबे को टिकट दिया जो दो बार जीत कर केंद्र सरकार में मंत्री पद को सुशोभित किया।

अंक जारी रहेगा...

राजीव कुमार भगत की कलम से।

खबरें फटाफट

विभिन्न थाना क्षेत्र में चला जांच अभियान

बक्सर। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के निदेर्शानुसार अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा यातायात नियमों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रमुख स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध वाहनों की जांच की गई व आवश्यक दस्तावेजों की पुष्टि की गई। साथ ही, यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई भी की गई।

सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत, एक घायल

केसठ/नावानगर। नावानगर थाना के समीप डुमरांव-बिक्रमगंज मुख्य मार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से सुबह टहलने निकले एक बुजुर्ग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए वाराणसी ले जाने के क्रम में रास्ते में ही मौत हो गई। वहीं इस घटना में पेप्सी कंपनी में काम करने वाले मजदूर तिलौथू निवासी मो. इब्राहिम भी गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय गांव निवासी 72 वर्षीय प्रेमचंद साह प्रतिदिन की तरह रविवार की सुबह भी टहलने निकले थे। लौटने के क्रम में अज्ञात वाहन के चपेट में आने से वे बुरी तरह घायल हो गए।

साफाखाना रोड के पास पूरे दिन पसरा रहता है फल और सब्जियों का कचरा

स्वच्छता अभियान में डुमरांव के फल एवं सब्जी विक्रेता बन रहे बाधक, नप बेफिक्र

- हर दिन सुबह में कचरे का उठाव करते हैं नप के सफाईकर्मी
- उठाव होते ही फिर से फल व सब्जी के वेस्ट फेंक देते हैं आसपास के दुकानदार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद प्रशासन द्वारा हर महीने सफाई के नाम पर लाखों रूपए खर्च किए जा रहे है। इसके लिए डोर-टू-डोर कचरा उठाव कराया जाता है। हर सुबह नगर परिषद के सफाई कर्मी कचरे का उठाव कर शहर को चकाचक बनाने का प्रयास करते है, लेकिन यह कुछ देर तक ही कायम रहता है, थोड़ी देर बाद ही शहर के फल, सब्जी तथा अन्य दुकानदारों द्वारा फिर से सार्वजनिक जगहों पर वेस्ट फेंक कचरा फैलाया जाता है, जो पूरे दिन आस पास के दुकानारों तथा राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहता है।

फल व सब्जी विक्रेताओं की मनमानी के चलते शहर के प्रायः कई सार्वजनिक स्थलों पर पूरे दिन कचरे का अंबार लगा रहता है। सबसे गंभीर समस्या साफाखाना मोड़ (केशरी मेडिकल हॉल) के पास है। यहां सुबह में सफाई के चंद मिनट बाद ही फल और आलू प्याज बेचने वाले पूरे दिन सड़ा हुआ फल और आलू फेंक गंदगी फैला रहे हैं। जिस कारण इस जगह पर पूरे दिन दुर्गंध उठते रहता है, जो आस पास के दुकानदारों के साथ ही राहगीरों के लिए भी परेशानी का कारण बना हुआ है। बावजूद नगर परिषद प्रशासन सबकुछ जानते हुए भी बेफिक्र बना हुआ है। जबकि स्थानीय दुकानदारों ने कई बार इसकी शिकायत नगर परिषद प्रशासन से की है, लेकिन अभी तक नप इस मामले में उदासीन बना हुआ हैं। जिस कारण इस मोड़ के पास फल व सब्जी के वेस्टेज फेंकने वाले फल व सब्जी विक्रेताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है।

ब्रांड एंबेसडर भी जता चुके हैं आपत्ति

इस संबंध में नगर परिषद के स्वच्छता व जल जीवन हरियाली योजना के ब्रांड एंबेसडर बनाए गए अजय राय ने भी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि शहर को साफ सुथरा रख स्वच्छता सर्वेक्षण में पूरे राज्य में डुमरांव नगर परिषद को नंबर एक पर पहुंचाने की कवायद चली रही है, लेकिन शहर के कुछ फल व सब्जी विक्रेताओं की करतूत इस अभियान पर बट्टा लगा रही है। अजय ने कहा कि वे कई बार इसकी शिकायत नगर परिषद प्रशासन से कर चुके है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद प्रशासन को इस ओर ध्यान देना होगा।

सड़ांध से परेशान रहते है आस पास के दुकानदार : आस पास के दुकानदारों का कहना है कि फल व सब्जी विक्रेताओं द्वारा सड़ा हुआ आलू, प्याज, फल आदि फेकने से सड़ांध के कारण जीना मुहाल हो गया है। सड़ांध के कारण दुकानदारों के साथ ही ग्राहकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय दुकानदार रमेश केशरी, जय प्रकाश, बब्लू आदि ने बताया कि उन्हें पूरे दिन सड़ांध का सामना करना पड़ता है, जबकि हर सुबह नगर परिषद के सफाईकर्मी कूड़े का उठाव करते है।

बोले ईओ... सार्वजनिक जगहों पर कूड़ा फेंकने वालों पर होगी कार्रवाई : इस संबंध में नप के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि लोगों को यहां वहां कचरा फेंकने से मना किया जाता है। पूर्व में भी सार्वजनिक जगहों पर कूड़ा फेंकने वाले दुकानदारों को चेतावनी दी गई थी। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर उन पर जुमार्ना लगाया जाएगा। स्वच्छता अभियान पर बट्टा लगाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

एक नजर

प्रशासन के नेतृत्व में हुई भव्य गंगा महाआरती

बक्सर। बिहार दिवस को खास बनाने के लिए जिला प्रशासन सुबह से ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर शनिवार की देर शाम रामरेखा घाट पर गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस दौरान डीएम अंशुल अग्रवान ने बिहार की विकास की यात्रा पर भी क्रमवार प्रकाश डाला। साथ ही, गंगा की स्वच्छता व महता के प्रति लोगों का ध्यान आकृष्ट कराया गया। इस आयोजन में जिलाधिकारी के साथ सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा समेत प्रशासनिक अधिकारी और शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। गंगा आरती को लेकर रामरेखा घाट को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। दीपों की जगमगाहट से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर नमामि गंगे के शैलेश कुमार, रेडक्रॉस के सचिव डॉ. श्रवण कुमार तिवारी, राजनेता संजय सिंह, डॉ. शशांक शेखर, ओमजी यादव, पप्पू राय समेत नगर के अन्य प्रतिष्ठित लोग भी उपस्थित रहे।

साहित्यकार ओम प्रकाश केशरी की आकस्मिक मौत

बक्सर। सरस्वती के वरद पुत्र व साहित्य सेवा को जीवन समर्पित कर चुके ओम प्रकाश केशरी 'पवन नंदन' का रविवार की सुबह निधन हो गया। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ मनोज पांडेय ने कहा कि बक्सर शहर ने साहित्य जगत के लाल पवन नंदन जी को आज खो दिया। पवन जी हंसमुख होने के साथ सबके दिलों पर राज करने वाले और सभी से प्रेम मोहब्बत से बात करने वाले अद्वितीय विचार के व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि उनका आज

आकस्मिक निधन हृदय विदारक घटना है। मुझे समय-समय पर अच्छे ज्ञान प्रेरणा देते थे, जो अब अधूरा रह गया। इस दुखद घटना को सुनकर कांग्रेस परिवार दुखी एवं स्तब्ध है। शोक व्यक्त करने वाले में डॉ. प्रमोद ओझा, संजय कुमार पांडेय, महिमा उपाध्याय, जय राम, वीरेंद्र राम, संजय कुमार दुबे, अजय यादव, रूनी देवी व अन्य शामिल हैं।

अनुमंडल के अपराधी जहां कहीं भी छिपे हैं, उन्हें हरहाल में करें गिरफ्तार: डीएसपी

- डीएसपी ने किया नया भोजपुर एवं कृष्णाब्रह्म थाने का निरीक्षण

केटी न्यूज/डुमरांव

अपराध नियंत्रण को लेकर अनुमंडल पुलिस सख्त हो गई है। डुमरांव डीएसपी ने रविवार को नया भोजपुर तथा कृष्णाब्रह्म थानों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उनका फोकस अपराध व तस्करी के नियंत्रण तथा फरार अपराधियों व वारंटियों के गिरफ्तारी पर था। उन्होंने नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार तथा कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार को स्पष्ट निर्देश दिया कि अपराधी चाहें जहां छिपे हो उन्हें तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजे। उन्होंने कहा कि फरार अपराधियों की सूची बना वैज्ञानिक तरीके से यह अनुसंधान करें कि उनका लोकेशन कहा है। यदि वे राज्य के बाहर भी है तो वहां जाकर उन्हें पकड़कर लाना है। डीएसपी ने कहा कि दोनों थाना एनएच 922 के किनारे स्थित है। इस पथ से होकर शराब की बड़ी खेप गुजरती है। कई बार शराब लदे कंटेनर को दोनों थाना क्षेत्रों में पकड़ा भी गया है। उन्होंने दोनों थानाध्यक्षों को नियमित वाहन चेकिंग अभियान चलाने को कहा, ताकी शराब व मादक पदार्थों के तस्कर अपने मंसूबे में कामयाब न हो सके। वहीं, डीएसपी ने निरीक्षण के दौरान दोनों थाना में केस संबंधित फाईलों को खंगाला तथा लंबित कांडो के शीर्घ्र निष्पादन का निर्देश दिया। डीएसपी ने इस दौरान थाना सिरिस्ता, कंप्यूटर कक्ष व मालखाना का निरीक्षण कई आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावे डीएसपी ने थानाध्यक्षों को साफ-सफाई से रहने का निर्देश दिया।

सिमरी थाने में चौकीदार परेड आयोजित

सिमरी। स्थानीय थाने में रविवार को चौकीदारी परेड का आयोजन किया गया। थाना क्षेत्र में तैनात सभी चौकीदारो ने थाना में पहुंचकर संबंधित क्षेत्र के विधि व्यवस्था के संबंध में थानाध्यक्ष को जानकारी दी। थानाध्यक्ष कमलनयन पांडेय ने बताया कि चौकीदारों को विधि व्यवस्था पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही साथ शराब के व्यापार एवं शराब के सेवन में लगे लोगों को चिन्हित करने का भी निर्देश दिया गया है। जो लोग भी शराब के व्यापार में लगे हुए हैं, ऐसे लोगों पर छापेमारी करवा कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही साथ जो लोग शराब का सेवन करते पकड़े जाएंगे उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि शराब के कारोबार एवं इसके सेवन में लगे लोग इससे अलग हट जाएं। पकड़े जाने के बाद सामाजिक प्रतिष्ठा तो जाएगी ही दंड का भागी भी बनना पड़ेगा।

सरस्वती विद्या मंदिर में महिला शिक्षिकाओं के लिए शिविर आयोजित

रानी होलकर शक्ति, बुद्धि, युक्ति, भक्ति व मुक्ति की अद्भुत मिशाल: वर्षा पांडेय

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, सिविल लाइन्स में भारतीय इतिहास की महान महिला शासक व वीरांगना, राष्ट्रमाता अहिल्याबाई होलकर के त्रि-शताब्दी वर्ष को राष्ट्रीय उत्थान में नारी शक्ति को एक समर्थ ऊर्जा व शक्तिकरण के रूप में जागृत करने के उद्देश्य से महिला शिक्षिकाओं के लिए एक शिविर आयोजित की गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला थानाध्यक्षा कनिष्का तिवारी, विशिष्ट अतिथि समाज सेवी वर्षा पांडेय, विभाग प्रमुख बीरेंद्र कुमार, प्रभारी प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिन्हा व प्रबंध समिति के सम्मानित सदस्यों ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अतिथियों का परिचय कराते हुए विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिन्हा ने सभी को सम्मानित किया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए विभाग प्रमुख ने रानी होलकर की जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। महिला थानाध्यक्षा कनिष्का तिवारी ने साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा समेत महिलाओं को सरकार द्वारा दिए जा रहे अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी तथा सोशल मीडिया फ्रॉड से बचने के गुर भी सिखाएं। वहीं समाज सेवी व भाजपा नेत्री वर्षा पांडेय ने अपने जोरदार संबोधन में रानी होलकर को शक्ति, बुद्धि, युक्ति, भक्ति और मुक्ति का अद्भुत मिशाल बताते हुए विपरीत परिस्थितियों में छात्राओं तथा महिलाओं को सफल होने के लिए शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक रूप से सबल होना समय की मांग बताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति की सह सचिव नीलम देवी ने किया व आभार ज्ञापन अहिरौली विद्यालय के प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा ने दिया। कार्यक्रम में भोजपुर व बक्सर के लगभग 25 विद्या भारती विद्यालयों के कई प्रधानाचार्य व महिला शिक्षिकाएं, विद्यालय की कई महिला अभिभावक तथा छात्राओं ने भाग लिया। मंच संचालन आचार्या मंजू तिवारी व विभा राय ने किया।

हर साल महिलाओं के सम्मान में आयोजित होगा समारोह: डॉ. पीके पांडेय

- आईईएसएम ने मनाया सैन्य महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान समारोह
- समारोह में शामिल हुई सैकड़ों पूर्व सैनिक के साथ महिलाएं

केटी न्यूज/बक्सर

आईईएसएम, बक्सर ने शहर के पिपरपाती रोड स्थित एक निजी मैरेज हाल में आईईएसएम हेल्थ केयर शाहाबाद जोन के अध्यक्ष सह मां मुंडेश्वरी अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मेजर पीके पाण्डेय और जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में सैन्य महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान समारोह बड़े धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने किया।

इस कार्यक्रम में जिले के हर कोने से लगभग 400 पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं सैनिकों की पत्नियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। समारोह की शुरूआत डॉ. मेजर पीके पांडेय की पत्नी विद्यावती पाण्डेय और कुछ प्रतिष्ठित महिलाओं द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद आईईएसएम द्वारा समारोह में उपस्थित सभी महिलाओं को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया।

उद्घाटन के बाद मौके पर मौजूद नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपने नृत्य और संगीत के द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिन्हें डॉ. पाण्डेय एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने पीसीडीए प्रधान नियंत्रक संदीप सरकार तथा पीसीडीए के सभी अधिकारीगण एवं पीसीडीए अधिकारी मनोज सिंह के सराहनीय कार्यों की विशेष चर्चा करते हुए बताया की पीसीडीए के कड़ी मेहनत के द्वारा बक्सर ने भारत के हर कोने के सैनिकों को लगभग 7 करोड़ रुपए एरियर और पेंशन के रूप में दिलाया है। उन्होंने कहा कि पीसीडीए दिन रात कार्य कर रहा है और सैनिकों का कार्य तीव्र गति से हो रहा है। उनके इस बात का समर्थन मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से किया।

बसपा ने बिहार में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया, गठबंधन से इन्कार

2025 के विधानसभा चुनाव में बिहार में अकेले लड़ेगी बसपा : रामजी गौतम

- किला मैदान में बक्सर विधानसभा के कार्यकताओं का सम्मेलन आयोजित
- डबल इंजन की सरकार हुई खोखली, जनता को भरमाने का कर रही है काम : अनिल

केटी न्यूज/बक्सर

शहर के किला मैदान में रविवार को बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में बक्सर विधानसभा के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बसपा के प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बसपा के नेशनल कॉर्डिनेटर सह राज्यसभा सांसद रामजी गौतम सहित बसपा के कई नेताओं ने शिरकत की। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत बाबा साहब और कांशीराम साहब के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुभाष गौतम एवं संचालन हरिहर मेहरा ने किया।

बसपा के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर सह राज्यसभा सांसद रामजी गौतम ने कहा कि बसपा बहुजन महानायकों के विचारधारा पर चलने वाली पार्टी है। यही विचारधारा बसपा को मजबूत करती है। बसपा ऊंच- नीच, अमीरी-गरीबी की राजनीति नहीं करती, बसपा सर्वजन समाज की रक्षा की बात करती है। बसपा सुप्रीमो मायावती के निदेर्शानुसार जय भीम के उद्घोष के साथ बहुजन समाज को एकजुट किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने किसी भी राजनीतिक गठबंधन से दूरी बनाए रखने का फैसला किया।

जुल्म और जातीय उत्पीड़न के खिलाफ बसपा पूरी तरह से एकजुट : राज्यसभा सांसद रामजी गौतम ने कहा कि बहन मायावती के मार्गदर्शन में 2025 का विधानसभा चुनाव बसपा लड़ेगी। बिहार में जुल्म और जातीय उत्पीड़न के खिलाफ बसपा पूरी तरह से एकजुट है। आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी बड़ी ताकत बन कर बिहार में उभरेगी। बसपा बिहार में तीसरा विकल्प बन कर आने वाली है। बिहार में इस बार बसपा सत्ता परिवर्तन करेगी। उन्होंने सदन में किसी भी बिल को पास कराने से पहले जनमत संग्रह कराने की वकालत की। उनका कहना था कि जनता की राय के बिना कोई भी फैसला लेना गलत है।

चुनाव में किए गए वादे झूठे साबित : प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने बक्सर के सांसद और विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जनता के लिए कोई काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में किए गए वादे झूठे साबित हुए हैं। अनिल कुमार ने कहा कि आम जनमानस में यह बात कही जा रही है कि शाम होते ही विधायक के कदम लड़खाने लगते हैं। ऐसे लोग जनता के हित में कैसे काम करेंगे? अनिल कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डबल इंजन सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गए हैं और उन्हें समर्थन देकर पद पर बनाए रखने वाले लोग बिहार की जनता का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार खोखली साबित हुई है और जनता को भरमाने का काम कर रही है।

संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है सरकार : अनिल कुमार ने कहा कि हम बाबा साहब की विचारधारा पर चलने वाले लोग है। मौजूदा सरकार बाबा साहब के विचारों और संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है। बिहार में अपराध का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। महिलाएं, बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं है। गरीबों का घर उजाड़ा जा रहा है। दलित, शोषित, वंचित को कोई देखने वाला नहीं है। इसलिए अपने हक और अधिकार को सुरक्षित करने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को और मजबूत करते हुए सत्ता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। बिहार में इस बार सत्ता परिवर्तन होने वाला है। बसपा ने बिहार विधानसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है और जातीय उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई को मुख्य मुद्दा बनाया है।

सम्मेलन को प्रदेश उपाध्यक्ष कुणाल किशोर विवेक, प्रदेश महासचिव दिलीप कुमार, प्रदेश महासचिव अभिमन्यु कुशवाहा, शिव कुमार कुशवाहा इत्यादि ने भी संबंधित किया। मौके पर लालजी राम, सुभाष अम्बेडकर, शिवबहादुर पटेल, चंदन चौहान, रमेश राजभर, लक्ष्मण सिंह कुशवाहा, कमलेश राव, जय नारायण राम, वीरेंद्र डोम, चक्रवर्ती चौधरी, मंजी यादव समेत बक्सर विधानसभा के सभी सेक्टर कमिटी, प्रखंड कमिटी, विधानसभा कमिटी सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

बुधवार से होगा चौसा नगर और पवनी पैक्स चुनाव का नामांकन

चौसा। चौसा नगर व पवनी पैक्स चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग से मंजूरी मिलने के बाद आगामी 9 अप्रैल को होने वाले इस चुनाव की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसमें सभी संबंधित पदाधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निर्वाचन प्रक्रिया के तहत नामांकन दाखिल करने की तिथि 26 मार्च, बुधवार से निर्धारित की गई है, जो 27 मार्च, गुरुवार तक चलेगी। इसके लिए विशेष रूप से दो अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं, ताकि उम्मीदवारों को नामांकन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं, नाम निर्देशन पत्र (एनआर) की कटिंग प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी गई है, जिसके लिए प्रखंड कार्यालय में विशेष काउंटर खोले गए हैं।

प्रशासन ने मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम कर लिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। प्रखंड निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार चौसा नगर पैक्स व पवनी पैक्स का चुनाव नौ अप्रैल को 26 व 27 को नामांकन, 28 व 29 मार्च को संवीक्षा व दो अप्रैल को नाम वापसी व चुनाव चिन्ह वितरण की जाएगी।

एक नजर

कार्यालयों व विद्यालयों में जनसंपर्क स्थापित कर कोष संग्रह में तेजी लाई जाए: लवकुश सिंह

डुमरांव। बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोपगुट के 23 वें राज्य सम्मेलन की तैयारी को लेकर एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन स्थानीय ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यालय प्रांगण में किया गया। बैठक की अध्यक्षता महासंघ गोप गुट के जिलाध्यक्ष लवकुश सिंह व संचालन जिला सचिव महेंद्र प्रसाद ने किया। इस दौरान राज्य सम्मेलन के आयोजन की तैयारियों को लेकर समीक्षा की गई। साथ ही, आयोजन की तैयारी में तेजी लाने का निर्णय लिया गया। साथ ही, कार्यक्रम के प्रचार प्रसार पर भी जोर दिया गया। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोग कार्यक्रम का हिस्सा बने। बैठक में तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक में जिला के तमाम कार्यालयों तथा विद्यालयों में जनसंपर्क स्थापित कर कोष संग्रह में तेजी लाने का सहमति जताई गई। बैठक में प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट के जिला सचिव नसीम अहमद, सुनील श्रीवास्तव, संजय कुमार पाल, मोहम्मद मुबारक ग्रामीण कार्य विभाग कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष प्रेम चन्द्र चक्रवर्ती, जिला सचिव ओमप्रकाश कुमार, चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष दीपक कुमार रज्जक, सिंचाई विभाग कर्मचारी यूनियन के जिला सचिव उमाशंकर मिश्र, वन विभाग कर्मचारी संघ के जिला सचिव जगदम्बा पासवान, मौसमी सिंचाई कर्मचारी संघ के सुरेश सिंह, राधेश्याम कुमार, उमाशंकर चौहान, शिवजी सिंह, प्रभु चौहान, दूखी राम, अजित, निर्मल, गोवर्धन चौहान सहित अन्य उपस्थित थे।

नव चयनित स्वच्छता साथियों मिला नियुक्ति पत्र

बक्सर। नगर परिषद, बक्सर के तत्वावधान में बीते दिन स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत अपशिष्ट प्रबंधन कार्य के लिए चयनित 10 स्वच्छता साथियों को नगर परिषद के सभागार में नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इसकी जानकारी देते नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी आशुतोष गुप्ता ने बताया कि फाइनल रूप से चयनित अभ्यर्थियों को बिहार दिवस के अवसर पर नियुक्ति पत्र का वितरण नगर परिषद के सभागार में किया गया। उन्होंने बताया कि चयनित एवं नियुक्ति प्राप्त करने वाले स्वच्छता साथियों में आकाश कुमार, मीरा देवी, श्रीधर तिवारी, अक्षय कमार वर्मा, सीमा कुमारी, सोनी कुमारी, सपना कुमारी, सदाब अली, मो. सैफ, रीता कुमारी शामिल है। उन्होंने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत स्वच्छता साथियों का चयन किया गया है। इससे नगर की स्वच्छता संबंधित कार्यों में काफी सहायता प्राप्त होगी। साथ ही, स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों को गति मिलेगी।

दलित उत्थान की जो बात करेगा, मेरा विलय उसी पार्टी के साथ होगा: पशुपति कुमार पारस

केटी न्यूज/डुमरांव

नीतीश कुमार को हमे उखाड़ फेंकना है। इनके बगैर नई सरकार बिहार राज्य में बनेंगी, इनका दिन लद चुका है। दलित उत्थान की बात करने वाले पार्टी के साथ लोक जन शक्ति पार्टी का विलय होगा या साथ में लड़ेगी। उक्त बातें लोक जन शक्ति पार्टी के अध्यक्ष सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने जिले के डुमरांव प्रखंड के कोरानसराय में एक जन सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी जिसे चाहेंगी अगली सरकार उसी की बनेंगी।

पार्टी के जिलाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने कहा कि बक्सर जिले के हर विधान सभा के सीट पर वही पार्टी जितेगी जिसका तालमेल लोक जन शक्ति पार्टी के साथ होगा। नीतीश कुमार की सरकार से दलितों को कुछ लाभ नहीं मिला है बल्कि उसकी उपेक्षा ही की गई है। इस मौके पर जिले के सभी प्रखंड अध्यक्ष मौजूद थे और उन्होंने अपनी बातों को रखा।

सभा को संबोंधित करने वालों में दलित सेना के अमर पासवान, युवा प्रकोष्ठ के पिंटू यादव, महिला जिलाध्यक्ष मंजू देवी, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष धर्मवीर भारती, श्रीभगवान पासवान, धर्मेन्द्र राम, गुरूदेव कुशवाहा, उमेश कुमार, हरेन्द्र, बुचुल राम, लालू यादव, देवनाथ राम, हरेन्द्र साव, सूर्यदेव कुशवाहा, गंगा सागर चौहान, देवेन्द्र कुमार सैनी, सुरेन्द्र पासवान सहित अन्य मौजूद रहे।

कोलकाता को 2-1 से पराजित कर आरा की टीम ने जमाया कस्तूरबा शील्ड पर कब्जा

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर के खेल मैदान में कस्तूरबा स्मारक शील्ड प्रतियोगिता का फाइनल मैच आरा व कोलकता के बीच खेला गया। इस उतार-चढ़ाव भरे मैच में आरा ने कोलकता पर 2-1 से जीत दर्ज कर शील्ड पर कब्जा जमाते हुए एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि भी जिती। वहीं कोलकता की टीम को 51 हजार रुपए और उप विजेता शील्ड से सम्मानित किया गया।

मैच के दौरान आरा की टीम ने मध्यांतर से पहले छठवें मिनट पर एक अच्छा मूव बनाते हुए कोलकता के गोल पोस्ट पर धावा बोला, इसमें उन्होंने कामयाबी भी हासिल की। आरा के अग्रणी पक्ति के खिलाड़ी ने ऐसा जोरदार शॉट मारा की गोलकीपर के बगल से गोली की रफ्तार से गेंद गोल के भीतर चली गई। इस तरह से पहले हॉफ में आरा की टीम 1-0 से आगे हो गई। मध्यांतर से कुछ मिनट पहले आरा की टीम के बैक खिलाड़ी से गेंद हाथ से छू गई, जिससे कोलकता को पेनाल्टी मिल गया। कोलकता टीम के खिलाड़ी के पेनाल्टी कीक को आरा का गोलकीपर बचा नहीं पाया और गेंद गोल के भीतर जाल में समा गई। फिर खेल 1-1 की बराबरी पर आ गया। खेल के 28वें मिनट में आरा के खिलाड़ियों ने एक अच्छा मूव बनाते हुए हुए कोलकता के गोल पोस्ट पर धावा बोला और उन्हें दूसरा गोल करने में कामयाबी भी मिल गई।

राज्य क्विज प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय, नगरपुरा की छात्रा ने किया जिले का नाम रोशन

प्रज्ञा ने राज्यस्तर पर लहराया परचम

- बिहार दिवस पर पटना आयोजित की गई थी उक्त प्रतियोगिता

केटी न्यूज/डुमरांव

कहा जाता है कि परिंदो को तालीम नहीं दी जाती है उड़ानों की, वे खुद ही छू लेती हैं बुलंदिया आसमानों की.... बिहार दिवस पर राजधानी पटना के गांधी मैदान में आयोजित स्कूली छात्रों के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में इस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाई हैए सिमरी अंचल के एक छोटे से गांव नगरपुरा की प्रज्ञा ने। प्रज्ञा ने बिहार दिवस पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में पूरे राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

प्रज्ञा ने पटना प्रमंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में सारण, पटना और दरभंगा प्रमंडल के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है।

प्रज्ञा वर्ग 6 से 8 के क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया था, उसने जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था, जिस कारण उसका चयन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया था। प्रज्ञो राज्य से आए प्रतिभागियों के बीच दूसरे स्थान पर रही। राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए जिले का नाम राज्य स्तर पर रोशन किया। विजेताओं को एससीईआरटी के अधिकारी व राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक हरिदास शर्मा के नेतृत्व में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

वहीं, बक्सर जिले के नोडल शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि ने बताया कि प्रज्ञा मध्य विद्यालय नगपुरा प्रखंड सिमरी की वर्ग आठवी की छात्रा है। विजेताओं को जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा मोहम्मद शारिक अशरफ ने पटना में सम्मानित कियाए साथ ही साथ उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। वहींए शिक्षिका विजयलक्ष्मी पटेल ने भी प्रज्ञा के साथ ही अन्य प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।

संभाग प्रभारी डॉ. तेज बहादुर सिंह ने जिले का नाम राज्य से राष्ट्र स्तर पर आगे बढ़ाते रहने के लिए विद्यार्थियों को सम्मानित करने की बात भी कही। बतातें चले कि जिला में वर्ग 6 से 8 और 9 से 12 एदो वर्ग के प्रतियोगिता के अंतर्गत गणित ओलंपियाड एक्विज और चित्रांकला प्रतियोगिता में अपने विद्यार्थियों से राज्य स्तर पर काफी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन गांधी मैदान स्थित कार्यक्रम स्थल पर किया।

बेटा बोला- गलत सुई देकर डॉक्टर ने ली पिता की जान

इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत, परिजनों ने काटा बवाल

♦ परिजनों ने कहा- पिता की मौत के बाद नहीं दी इसकी जानकारी

पटना के एक निजी क्लीनिक की घटना

केटी न्यूज/आरा

आरा में संदेहास्पद स्थिति में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इलाज के दौरान पटना के पाटलिपुत्रा स्थित निजी अस्पताल में रविवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं, परिजन ने एक निजी अस्पताल के डॉक्टर व कर्मचारी पर इलाज में लापरवाही बरतने के कारण उनके मौत होने का आरोप लगाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बखरिया गांव निवासी स्व. शिव जतन सिंह के 80 वर्षीय पुत्र बिंदेश्वरी सिंह है एवं वह पेशे से किसान थे।

मृतक के बेटे प्रदीप सिंह ने बताया कि उनके पिता काफी समय से शुगर की बीमारी से पीड़ित थे। जिसको लेकर वह शुक्रवार को उनका शुगर चेक करने के लिए पटना के पाटलिपुत्रा स्थित निजी अस्पताल ले गए थे। जहां चिकित्सक द्वारा उन्हें कहा गया कि आपके पिता को हम लोग दो दिन एडमिट रखेंगे, ताकि हमलोग उनके पूरे बॉडी का चेकअप कर सके।

कई कागजातों पर लिए गए हस्ताक्षर : जिसके बाद निजी अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा उनके पिता को निंद की सुई दे दी गई। जिससे कारण वह सो गए और उसके बाद परिजनों को बाहर कर दिया गया। पिताजी जब भी जगते तो चिकित्सक उन्हें नशे की सुई दे देते थे, जिससे वह सो जाते थे। इसी बीच उनके पिता की मौत हो गई लेकिन इसके बावजूद निजी अस्पताल के डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों ने उनके मरने की जानकारी नहीं दी और उन्हें बुलाकर पेपर वर्क करने के लिए कहा गया। कागजी कार्यवाही के दौरान कई कागजात पर उनके सिग्नेचर भी करवाए गए।

सिग्नेचर करवाने के बाद बताया गया कि आपके पिता की मौत हो गई है। जब हमलोगों ने पूछा कि आपने क्यों नहीं बताया कि मेरे पिता की मौत हो गई है। अब मुझे इनके शव पोस्टमार्टम करवाना है लेकिन उन लोगों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया।

बाउंसर ने हॉस्पिटल से बाहर कर दिया : जब शोर मचाने लगे तो वहां के स्वास्थ्य कर्मियों और वहां मौजूद बाउंसर ने हॉस्पिटल से बाहर कर दिया और पिता के शव को भी बाहर निकाल कर रख दिया गया। जिसके बाद कहा गया कि तुम डेड बॉडी को लेकर यहां से चले जाओ। जिसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया।

अस्पताल कर्मियों पर लगाया लापरवाही करने का आरोप

वहीं दूसरी तरफ मृतक के बेटे प्रदीप सिंह ने निजी अस्पताल के डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों पर इलाज में लापरवाही बरतने व नशे का सुई देने के कारण अपने पिता के मौत होने का आरोप लगाया है। जबकि पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक बुजुर्ग की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है

बक्सर में शहीद दिवस पर शहीदों को कांग्रेस देगी श्रद्धांजलि: डॉ. मनोज पांडेय

केटी न्यूज/बक्सर

जिला कांग्रेस कार्यालय में शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान दिवस पर एक श्रद्धांजलि सभा एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। जहा उपस्थित गणमान्य लोगों ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता का मार्ग इन वीर सपूतों के बलिदान से प्रशस्त हुआ है। आज जो भी स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह इन्हीं महान क्रांतिकारियों की कुर्बानियों का परिणाम है। बलिदान का महत्व केवल इतिहास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की सीख देता है।

प्रदेश प्रतिनिधि डा. प्रमोद ओझा ने कहा कि शहीदों का बलिदान हमारे राष्ट्रीय चरित्र का अभिन्न अंग है और हमें हमेशा अपने देश के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए। डा. संजय कुमार पांडेय ने कहा कि शहीदों ने हमें यह

सिखाया कि देश प्रेम और कर्तव्य की भावना सर्वोपरि है। अंत मे सभी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया तथा शहीदों के आदर्शों पर चलने की प्रतिबद्धता दोहराई।

इस मौके पर युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय ओझा, संजय कुमार दूबे, अजय यादव, त्रिलोकी नाथ मिश्रा, त्रियोगी नारायण मिश्रा, निर्मला देवी, रूनी देवी, कुमकुम देवी सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

एग्रीमेंट पद यात्रा को ले प्रचार-प्रसार शुरू

डुमरांव। अगामी 14 अप्रैल 2025 को जदयू के पूर्व प्रभारी रवि उज्जवल के द्वारा डुमरांव विधान सभा क्षेत्र में जनता एग्रीमेंट पद यात्रा निकाला जाएगा। उक्त पद यात्रा को लेकर इनके द्वारा विधान सभा क्षेत्र का दौरा किया जा रहा है। रविवार को उनके द्वारा नावानगर प्रखंड के भटौली और रूपसागर पंचायत का दौरा किया गया। इनके द्वारा पंचायत के लोगों से बात करते हुए नीतीश सरकार के कार्यों व योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने लोगों से योजनाओं का लाभ मिल रहा है कि नहीं इसकी जानकारी भी हासिल की जा रही है। फिर उस पर अमल करते हुए वरीय अधिकारियों से इसकी शिकायत करते हुए इसे तत्काल पूरा करने की बात कही जाती है।

युवक को अगवा कर की पिटाई व सिगरेट से जलाया

आरा। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के पावरगंज मोहल्ले से 18 मार्च की सुबह पैसे के विवाद को लेकर एक युवक को अगवा कर जबरन स्कोर्पियो में बैठ कर ले गए। उस दौरान चलती गाड़ी में उसकी जमकर पिटाई की गई व उसे सिगरेट से भी जलाया गया। इसके बाद परिजन द्वारा शुक्रवार की रात उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अपने युवक आयर थाना क्षेत्र के असुधन गांव निवासी विद्यानंद सिंह का 26 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार है। वह वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के पावरगंज मोहल्ला निवासी शिव भवन सिंह अपने मां के घर रहकर पढ़ाई करता था एवं चिक्का लिट्टी का दुकान लिए हुआ था।

सम्राज्यवादी वर्चस्व, फासीवादी हमले व कॉरपोरेट लूट के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी: मनोज मंजिल

केटी न्यूज/आरा

आज ही के दिन भगत सिंह और उनके साथी सुखदेव और राजगुरु को तय समय से एक दिन पहले ही लाहौर जेल में फांसी दे दी गई थी। तब से आज का दिन और उनके लगाए गए नारे इंकलाब जिंदाबाद हमेशा के लिए अमर हो गया। आज भी पूरे भारत सहित दुनियां के लिए बदलाव के लिए सामूहिक पुकार के रूप में गूंजता है। भगत सिंह सिर्फ जोश से भरे हुए क्रांतिकारी युवा नहीं थे, बल्कि भारत के सबसे दूरदर्शी विचारकों में से एक थे। उक्त बातें इंकलाबी नौजवान सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व विधायक मनोज मंजिल नें कही।

उन्होंने कहा कि आज की मौजूदा परिस्थिति में जब देश के अंदर भाजपा और मोदी सरकार द्वारा न्याय, आजादी, शांति, लोकतंत्र और संविधान को कुचला जा रहा है। तब ऐसी स्थिति में हमारी नैतिक जिम्मेवारी और जवाबदेही हो जाती है कि उसके खिलाफ भगत सिंह को याद करते हुए उनके बताए रास्ते और विचारों को आगे बढ़ाते हुए

सम्राज्यवादी वर्चस्व, कार्पोरेट लूट और सांप्रदायिक हमले और नफरत से डट का मुकाबला करते हुए इंकलाब जिंदाबाद, साम्राज्यवाद मुदार्बाद के नारों को बुलंद करें।

कार्यक्रम में मौजूद इंकलाबी नौजवान सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व विधायक मनोज मंजिल सहित इंसाफ मंच के राज्य सचिव कयामुद्दीन अंसारी, माले कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम, नगर सचिव सुधीर प्रसाद, आरवाईए जिलाध्यक्ष निरंजन केशरी, जिला सहसचिव विशाल कुमार, अखिलेश कुमार, हरिनारायण कुमार, आइसा जिला सहसचिव रौशन कुशवाहा व अन्य मौजूद थे।

धूमधाम से संपन्न हुआ भागवत कथा ज्ञान यज्ञ, भक्तों के बीच प्रसाद वितरित

भगवत कथा का रसपान कर लेने से इहलोक एवं परलोक दोनों सुधार जाता है: श्रीस्वामी रंगनाथ

केटी न्यूज/आरा

जिले के चरपोखरी प्रखंड अंतर्गत सोनवर्षा स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में श्री त्रिदंडी स्वामी महाराज की 37वीं पुण्य स्मृति में में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा का समापन रविवार को हुआ। कथा के अंतिम दिन अनंत विभूषित श्री रंगनाथाचार्य जी महाराज की देखरेख में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पिछले एक सप्ताह से चल रहे इस श्रीमद् भागवत कथा सा ज्ञान यज्ञ का भव्य पूणार्हुति एवं भंडारे के साथ संपन्न हो गया। इस मौके पर यज्ञ मंडप में लाखों आहुतियां दी गई।

इस क्रम में श्रीस्वामी रंगनाथ आचार्य जी महाराज ने व्यास पीठ से दिव्य प्रवचन का भागवत प्रेमियों को रसपान कराते हुए कहा कि भगवत कथा के रसपान कर लेने से इहलोक एवं परलोक दोनों सुधार जाता हैं। जिस घर में संतों के चरणरज न पड़े वह घर नहीं हो सकता। भगवान की प्राप्ति केवल भगवत कथा के श्रवण से ही संभव होता हैं। भगवान के सच्चा भक्त अपनी भक्ति को कभी प्रदर्शन नहीं करते, वे केवल भगवान के प्राप्ति के लिए ही तड़पते है। वहीं कथा व्यास अर्जुन शास्त्री जी महाराज ने भी अपने मुखारविंद से भगवान के मधुर बाल लीला सुनाकर भक्ति के रस में भक्तों को वैसे सराबोर कर दिए जैसे कन्हैया के प्रेम में ब्रज के गोपियां सराबोर थी। आज श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन पूजा पंडाल में भव्य तरीके से भगवान नटखट गोपाल श्री कृष्ण की शादी समारोह महाराज श्री के देखरेख में संपन्न कराई गई। इस दौरान महिलाओं ने खूब मंगल गीत गए। वहीं इस मौके पर आए हुए हजारों श्रद्धालु भक्त खूब झूमते हुए नजर आएं और इस शादी समारोह के साक्षी 5000 से ज्यादा लोग बने। पूणार्हुति के मौके पर 10 हजार से अधिक भक्तों व लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं कथा के अंतिम दिन मंच से मशहूर भोजपुरी गायक सत्यम् सुरीला ने शहर एवं अन्य भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया।

संक्षिप्त समाचार

करंट से मवेशी की मौत, मुआवजे की मांग

रामगढ़, एजेंसी। रजरप्पा प्रोजेक्ट स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के समीप शनिवार को करंट की चपेट में आने से स्थानीय निवासी भोला यादव का एक दुधारू भैंस की मौत हो गयी। जो हाल ही में एक बच्चे को जन्म दी थी। बताया जाता है कि मवेशी की मौत से किसान को लगभग एक लाख रुपए का नुकसान हुआ है। भुक्तभोगी किसान ने इसकी जानकारी प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी और बिजली विभाग को देते हुए मुआवजे की मांग की है। किसान के अनुसार सुबह-सुबह भैंस रजरप्पा प्रोजेक्ट के आवासीय कॉलोनी में चर रही थी। बीते दिन हुई बारिश के कारण बिजली पोल के पास जलजमाव हो गया था। यहां पर जमीन में गाड़े गये तार के संपर्क में भैंस आ गयी। तार में अर्थिंग आ जाने से मवेशी उक्त तार में उलझ गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। हालांकि मवेशी तार के संपर्क में आने के बाद आसपास के लोग गोपाल महतो, देव कुमार, राशिक तांती, प्रयाग मांझी ने कोशिश तो बहुत की लेकिन मवेशी को बचा नहीं पाए। उक्त बिजली खंभे से 220 वोल्ट का बिजली का तार गुजरा है, जो किसी कारण उक्त खंभे में विद्युत प्रभावित हो रही थी। इस दौरान बिजली सप्लाई बंद कर मवेशी को वहां से हटाया गया।

गिरिडीह में दो वाहनों के बीच जोरदार टक्कर से लगी आग, एक ट्रक जल कर खाक

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह में बगोदर थाना क्षेत्र के जीटी रोड पर औरा के समीप दो माल वाहक ट्रकों में जोरदार टक्कर हो गयी. जिससे दोनों वाहनों में आग लग गयी. दोनों ट्रकों के चालक और उप चालक ने ट्रक से कूद कर अपनी जान बचाई हैं. घटना देर रात दो बजे की है. बताया जाता है कि जीटी रोड पर विनोद उच्च विद्यालय के पास पहले से एक ट्रक ब्रेक डाउन था. बगोदर की दिशा से डुमरी जा रही एक अन्य ट्रक ने अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए खड़ी ट्रक के डीजल टैंक से जा टकराई. जिसके बाद दोनों ट्रकों में आग लग गयी. ट्रकों में आग लगने के बाद चालक और उपचालक कूद कर अपनी जान बचायी. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना बगोदर पुलिस को दी. पुलिस और अग्निशमन विभाग के लोग घटना स्थल पर पहुंचकर ट्रकों में लगी आग को बुझाया गया. बताया जाता है कि एक ट्रक का कुछ हिस्सा जला है. जबकि दूसरे का पूरा हिस्सा जल गया. स्थानीय लोगों ने बताया कि एक ट्रक में आइसक्रीम और दूसरे ट्रक में खाली शराब की बोतलें थीं. इधर बगोदर पुलिस जीटी रोड से ट्रक को हटाने में लगी हुई है.

मंईयां सम्मान योजना में हुआ ऐसा कांड कि मच गया बवाल, महिलाओं को सताने लगा फ्रॉड का डर

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के कई जिलों में हजारों मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को मार्च समेत तीन माह की राशि नहीं मिली है. इसके पीछे अधिकारियों ने जांच का हवाला दिया है. इसमें कहा गया है कि इस योजना को लेकर भारी संख्या में फर्जीवाड़ा भी हुआ है. इसी को लेकर सभी लाभुकों का सत्यापन किया जा रहा है. इसी क्रम में जिनका सत्यापन नहीं हुआ है, उन्हें इस माह सम्मान राशि नहीं दी गयी है. ऐसी लाभुकों की संख्या हजारों की संख्या में है, पर विभाग ने ऐसे लाभुकों के सत्यापन का जो तरीका अपनाया है, उस पर सवाल उठाये जाने लगे हैं. दरअसल, एक साथ तीन माह की राशि 7500 रुपये मिलने की सूचना पर लाभ से वंचित महिलाओं की भारी भीड़ प्रखंड कार्यालयों में उमड़ रही है. भारी भीड़ को लेकर परेशानी बढ़ गयी है. इससे बचने के लिए बोकारो और धनबाद जिले के कई प्रखंडों में लाभ से वंचित महिलाओं की पूरी जानकारी दीवार पर चिपका दी गयी है. इस सूची में महिला का पूरा पता, मोबाइल नंबर और बैंक खाते की भी पूरी जानकारी दे दी गयी है. अब इसका विरोध शुरू हो गया है. महिलाओं का कहना है कि लाभ से वंचित होने वाली महिलाओं के दिवार पर चिपकाने से साइबर क्राइम का खतरा बढ़ा है.मिली जानकारी के अनुसार, मंईयां सम्मान योजना के तहत धनबाद, बोकारो और गिरिडीह जिले की हजारों लाभुकों का बैंक खाता आधार से सीडिंग नहीं है. पता में भी गड़बड़ी है. इस वजह से लाभुक सत्यापन के दायरे में आ गयी हैं. इन सबको लेकर अलग-अलग प्रखंड और अंचलों को वैसी लाभुकों की सूची भेजी गयी है और उनको अपने कागजात ठीक कराने के लिए कहा गया है. लेकिन भारी भीड़ को देखते हुए उस सूची को लगभग सभी जगह सार्वजनिक तौर पर चिपका दिया गया है.

दुमका में बच्चा चोर की अफवाह जोरों पर

भागलपुर से तारापीठ जा रहे पांच लोगों को बनाया गया बंधक

दुमका , एजेंसी। पिछले 24 घंटे में जिले के कई थाना क्षेत्रों में बच्चा चोरों के आने की अफवाह तेजी से फैली है। इस अफवाह के कारण एक बोलेरो में सवार होकर भागलपुर से तारापीठ जा रहे पांच लोगों को काठीकुंड थाना क्षेत्र में बंधक भी बना लिया गया। पुलिस-प्रशासन ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें छुड़ाया। इस बीच दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने जिले के सभी लोगों से अपील की है कि वे इस तरह की अफवाहों में न पड़ें, ऐसा कहीं कोई मामला नहीं है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई इस तरह की अफवाहों में फंसकर कानून को अपने हाथ में लेता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अचानक फैली अफवाह, फंस गए भागलपुर के पांच लोग

दरअसल, दुमका के काठीकुंड, शिकारीपाड़ा, मसानजोर और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दर्जनों गांवों में कल देर रात यह अफवाह तेजी से फैली कि बच्चा चोरों का गिरोह आया है। जो घर के बाहर घूम रहे छोटे-छोटे बच्चों को अपने कब्जे में लेकर भाग रहा है। इस अफवाह के बाद कई ग्रामीण रात में ही लाठी-डंडा लेकर निकल पड़े। भागलपुर के सन्हौला के पांच लोग इस अफवाह के चंगुल में फंस गए। ये सभी सन्हौला से काठीकुंड होते हुए गोड्डा और गूगल मैप के जरिए तारापीठ की ओर बोलेरो में सवार होकर जा रहे थे।

गाड़ी में राजकुमार चौधरी, सिकंदर वर्मा, नरेंद्र चौधरी, सुधांशु कुमार झा और चालक मो। मनीर सवार थे। रास्ते में आमगाछी-कल्याणपुर मुख्य मार्ग पर चिरुडीह गांव के पास ग्रामीणों ने बच्चा चोर होने के संदेह में इनकी गाड़ी रोक ली और इन्हें आंगनबाड़ी केंद्र में ले जाकर बंधक बना लिया। यह खबर भी हर जगह फैल गई कि पांच बच्चा चोर पकड़े गए हैं। यह सुनते ही आसपास के कई गांवों के लोग जुट गए। हालांकि गनीमत रही कि ग्रामीणों ने इनके साथ मारपीट नहीं की। इधर, पुलिस प्रशासन को सूचना मिलते ही दुमका एसडीपीओ विजय कुमार महतो और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मौजूद ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया कि ये बच्चा चोर नहीं हैं बल्कि पूजा के लिए तारापीठ जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन के समझाने पर चिरुडीह गांव के लोग कुछ देर बाद उन्हें जाने देने को राजी हो गए लेकिन आसपास के गांवों से जुटे लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया कि उन सभी को आंगनबाड़ी से हमारे सामने लाया जाए। हम सभी उनसे पूछताछ करेंगे और पता लगाएंगे कि ये बच्चा चोर हैं या नहीं।

अब पुलिस प्रशासन के लिए उन ग्रामीणों के सामने पांचों को लाना संभव नहीं था। मामला बिगड़ने की प्रबल संभावना थी। वे लोगों को समझाने का प्रयास करते रहे कि वे सभी तारापीठ जा रहे हैं और बच्चा चोर की खबर अफवाह है। इसी बीच चिरुडीह गांव के ग्रामीणों ने भी मोर्चा संभाल लिया और इसे अपने गांव का मामला बताकर बाहरी ग्रामीणों को भगा दिया और वे पांचों अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

एसपी ने की अपील

इधर एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि पुलिस को काठीकुंड में ग्रामीणों द्वारा पांच लोगों को पकड़े जाने की खबर मिली थी। तत्काल वहां पुलिस टीम भेजी गई और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर लोगों को मुक्त कराया गया और पांचों को वहां से रवाना किया गया। उन्होंने जिले के लोगों से भी अपील की कि बच्चा चोरों के आने की खबर पूरी तरह से अफवाह है। ऐसा कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है। ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें। दूसरों को भी जागरूक करें। अगर आपको लगे कि कहीं कोई संदिग्ध है तो पुलिस को सूचना दें या 112 डायल करें। पुलिस द्वारा इसका सत्यापन किया जाएगा। कानून को अपने हाथ में न लें। अगर कोई ऐसी अफवाहों की आड़ में कानून से खिलवाड़ करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों की दयनीय स्थिति पर भड़के बाबूलाल मरांडी, सरकार से कर दी बड़ी मांग

रांची, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. बाबूलाल ने 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों की दयनीय स्थिति के संबंध में राज्य सरकार से जवाब मांगा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि 108 एंबुलेंस कर्मचारी आर्थिक तंगी, वेतन में कटौती और अस्थायी नौकरी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं.

बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा है, राज्य सरकार 108 एंबुलेंस सेवा को आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ बताती है, लेकिन इसके कर्मचारियों की स्थिति दयनीय है. झारखंड के 108 एंबुलेंस कर्मचारी आर्थिक तंगी, वेतन में कटौती और अस्थायी नौकरी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं. उन्होंने आगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि, वे एयर एंबुलेंस का सब्जबाग दिखाने बजाय आपातकालीन 108 एंबुलेंस सेवा को सुदृढ़ करें, ताकि दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी मरीजों को तत्काल इलाज की सुविधा मिल सके.

विधानसभा सत्र के 15 वें दिन, 21 मार्च 2025 को सत्ता पक्ष के विधायक मनोज कुमार यादव ने भी 108 एंबुलेंस कर्मचारियों के समस्याओं को सदन में रखा था. उन्होंने कहा था कि, एंबुलेंस सेवा ठप रहने के कारण मरीज खास कर वाहन दुर्घटना में घायल लोगों की जान जोखिम में है. एंबुलेंस सेवा समय पर नहीं उपलब्ध होने से कई घायलों की असमय मौत हो जा रही है. उन्होंने सरकार से मांग की थी कि शीघ्र अस्पताल में 108 एंबुलेंस सेवा हो, जिससे दुर्घटना में घायल मरीजों को तुरंत अस्पताल तक पहुंचाया जा सके. मालूम हो अपनी मांगो को लेकर 108 एंबुलेंस कर्मचारी बीते कई दिनों से हड़ताल पर हैं. जिसके कारण राज्य में 108 एंबुलेंस सेवा बाधित है. 108 एंबुलेंस कर्मचारियों ने सरकार से कम वेतन, समय पर भुगतान और उचित सुविधाओं की मांग की है.

सीएम हेमंत सोरेन ने शहीद सब इंस्पेक्टर को दी श्रद्धांजलि, बोले- जारी रहेगा नक्सल के खिलाफ अभियान

रांची, एजेंसी। चाईबासा में हुए आईईडी विस्फोट में वीरगति को प्राप्त हुए सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सुनील मंडल को रांची स्थित सीआरपीएफ कैम्प में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शहीद जवान को श्रद्धांजलि देने के लिए सीआरपीएफ कैंप में मौजूद रहे।

सीआरपीएफ कैम्प में दी गई श्रद्धांजलि : चाईबासा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के द्वारा जमीन के नीचे बिछाए गए आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ 193 बटालियन के शहीद सब इंस्पेक्टर सुनील मण्डल को रांची स्थित सीआरपीएफ कैंप में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। झारखंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने शहीद के शोक संतप्त परिजनों से मिलकर उनका ढाढ़स बंधाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीदों के परिवार के साथ सरकार का साथ हमेशा रहेगा। शहीद सब इंस्पेक्टर को झारखंड के मुख्य सचिव, डीजीपी अनुराग गुप्ता के साथ आईजी अभियान, आईजी सीआरपीएफ, आईजी रांची, डीआईजी सह रांची एसएसपी चन्दन कुमार ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

हताशा का है परिणाम : शहीद सब इंस्पेक्टर को श्रद्धांजलि देने के बाद सीएम हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड पुलिस के लगातार चल रहा है। ऑपरेशन से नक्सली हताश हैं। पुलिस पर हमला इसी हताशा का परिणाम है। सीएम ने शहीद सब इंस्पेक्टर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नक्सलियों का खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

ब्लास्ट में 2 हुए थे घायल, सुनील ने तोड़ा दम : झारखंड में नक्सलियों से लोहा लेते हुए शनिवार सब इंस्पेक्टर सुनील मण्डल वीरगति को प्राप्त हुए थे।

सीआरपीएफ 193 बटालियन के सब इंस्पेक्टर जीडी सुनील कुमार मंडल अपनी टीम के साथ नक्सलियों के खिलाफ अभियान में निकले हुए थे। इसी दौरान चाईबासा के छोटानागरा थाना क्षेत्र के जंगली क्षेत्र में नक्सलियों के द्वारा पहले से लगाए गए आईडी को विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आने से सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार मंडल और सीआरपीएफ जवान जीडी पार्थ घायल हो गए।

एससी आयोग को धरातल पर उतारने की तैयारी में हेमंत सरकार, मंत्री चमरा लिंडा ने दी अहम जानकारी

रांची, एजेंसी। राज्य में अनुसूचित जाति आयोग का शीघ्र गठन किया जाएगा, इसे लेकर नियमावली गठित की जा रही है। साथ ही आयोग के गठन की भी फाइल बढ़ी हुई है। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने शनिवार को यह जानकारी भाजपा विधायक मंजू कुमारी द्वारा ध्यानाकर्षण के माध्यम से की गई आयोग के गठन की मांग पर दी। मंत्री ने कहा कि नियमावली नहीं होने के कारण आयोग के गठन में देरी हुई है। उन्होंने एक माह में नियमावली बना लेने तथा उसके बाद आयोग के शीघ्र गठन का आश्वासन दिया।

उन्होंने बताया कि नियमावली पर विधि विभाग की स्वीकृति मिल चुकी है। वित्त और कार्मिक की स्वीकृति मिलने के बाद इसे कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा।

मंत्री ने कहा कि नियमावली गलत बन जाने का नुकसान योजनाओं पर पड़ता है। अधिकारी नियम तो बनाते हैं, लेकिन उनमें कई छेद रह जाते हैं। नियम में ऐसी ही त्रुटि होने के कारण पांच करोड़ रुपये वापस हो रहे हैं।

विभाग के पदाधिकारियों का कहना है कि राशि दूसरे मद में हस्तांतरित नहीं की जा सकती। इसका प्रविधान ही नहीं है। उन्होंने नियम बनाने में विधायकों से सुझाव देने का भी अनुरोध किया।

मंत्री ने एक उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने रांची के कमड़े स्थित विद्यालय का निरीक्षण किया था। वहां जब उन्होंने बच्चों से अंडा और मीट मिलने की जानकारी मांगी तो बच्चों ने बताया कि प्राचार्य कहते हैं कि बगल में मंदिर है, इसलिए अंडा और मीट नहीं दिया जा सकता। उन्होंने प्राचार्य के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरूवा ने शनिवार को विधानसभा में स्पष्ट रूप से कहा कि जमशेदपुर में टाटा लीज से जुड़ी 86 बस्तियों के लोग सरकार द्वारा तय व्यवस्था के अनुसार जमीन के मालिकाना हक के लिए आवेदन करें। यदि वे ऐसा नहीं कर पाते हैं तो वे अतिक्रमणकारी कहलाएंगे, क्योंकि उन्हें मालिकाना हक नहीं मिल पाएगा।

उन्होंने भाजपा विधायक पूर्णिमा साहू के ध्यानाकर्षण के माध्यम से मालिकाना हक देने को लेकर की गई मांग के जवाब में यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि पहले ये बस्तियां टाटा लीज के अंतर्गत थी, लेकिन 2005 में इन्हें लीज से अलग कर दिया गया।इनके निवासियों के मालिकाना हक को लेकर उपायुक्त से मिली रिपोर्ट के अनुसार बंदोबस्ती के लिए 198 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें तीन आवेदनों की ही स्वीकृति मिल पाई। शेष आवेदन राज्य सरकार द्वारा निर्धारित शर्तें पूरा नहीं कर रहे थे। इस पर पूर्णिमा ने सवाल उठाया कि विधानसभा चुनाव के दौरान विधायक कल्पना सोरेन ने मालिकाना हक देने का जो वादा किया था, वह गलत था क्या

गिरफ्तारी के डर से देवघर से भागकर सिमडेगा में छिपे थे, पुलिस ने तीन साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

सिमडेगा, एजेंसी। सदर थाना पुलिस को शुक्रवार को बड़ी उपलब्धि हाथ लगी है। पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। तीनों साइबर अपराधी देवघर के रहने वाले हैं। बीते कुछ दिनों से साइबर अपराधी सिमडेगा में भाड़े पर घर लेकर रहते थे। अपराध अनुसंधान विभाग झारखंड रांची के प्रतिबिंब पोर्टल में उल्लेखित संदिग्ध मोबाइल नंबर का टीवर लोकेशन कई दिनों से भट्टीटोली सिमडेगा के आस-पास सक्रिय था।

सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक सौरभ के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमडेगा एवं पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय के नेतृत्व में टीम गठित कर संदिग्ध आरोपियों के विरूद्ध छापेमारी करने का निर्देश दिया गया था। छापेमारी दल के साथ तकनीकी सेल की मदद से घटनास्थल के समीप पहुंच कर गुप्त रूप से पूछताछ करने पर पता चला कि भट्टीटोली निवासी जैद आलम के मकान में देवघर के तीन लोग कुछ महीने से रह रहे हैं। जिनकी भूमिका संदिग्ध लगती है।

गठित छापेमारी दल के साथ मकान मालिक से संपर्क करते हुए उनके आवास में रह रहे तीनों संदिग्ध आरोपियों के विरुद्ध छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से प्रतिबिंब पोर्टल में उल्लेखित संदिग्ध मोबाइल नंबर, अन्य पांच मोबाइल और अलग से चार सिम कार्ड बरामद किया गया।मोबाइलों की जांच पड़ताल करने पर अलग-अलग तरीके से साइबर ठगी करने के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। पूछताछ में आरोपियों के द्वारा बताया गया कि देवघर में गिरफ्तारी होने के डर से सिमडेगा में रह कर लोगों को मोबाइल फोन से झांसे में लेकर ठगी करने का काम करते थे।

गिरफ्तार आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि सिमडेगा जिला अंतर्गत लोगों को योजनाओं का लाभ देने को लेकर झांसे में लेते थे और उनसे ओटीपी प्राप्त कर बैंक खातों से पैसों की निकासी कर लेते थे। आरोपियों ने बताया कि देवघर में गिरफ्तारी होने के डर से सिमडेगा जिला में रह कर घटना को अंजाम देते थे। आरोपियों ने बताया कि देवघर के रहने वाले सुभाष दास से साइबर ठगी करने का काम सीखे हैं। लोगों को जाल में फंसा कर ओटीपी लेकर अलग-अलग एप्लीकेशन के माध्यम से पैसे की निकासी करते हैं।

नीट, जेईई मेंस समेत झारखंड में होने वाली अन्य परीक्षाओं के कदाचार पर लगेगी लगाम, सरकार ने उठाया बड़ा कदम

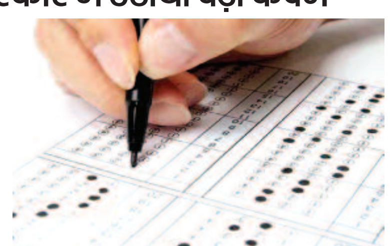

रांची, एजेंसी। झारखंड में आयोजित होनेवाली नीट (यूजी), जेइइ (मेंस) और सीयूइटी सहित अन्य परीक्षाओं को कदाचार मुक्त संपन्न कराने की कवायद की जा रही है. इसके लिए सरकार ने दो राज्यस्तरीय और जिलास्तरीय कमेटी बनायी है. राज्यस्तरीय समन्वय कमेटी का नोडल अफसर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह को बनाया गया है.

इस कमेटी में आइजी अभियान एवी होमकर, एनटीए की ओर से मनोनीत नोडल अफसर कर्नल विजय कुमार, एनआइसी के राज्य सूचना पदाधिकारी, स्पेशल ब्रांच के आइजी प्रभात कुमार और उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक राम निवास यादव शामिल किये गये हैं. सरकार ने इस कमेटी की भूमिका और जिम्मेवारी भी तय की है. यह कमेटी मुख्य सचिव, डीजीपी और डीजी एनटीए के बीच समन्वय स्थापित करने का काम करेगी.

कुसुम घाट के पास पाइपलाइन से चौबीसों घंटे पानी बहकर हो रहा

जमशेदपुर, एजेंसी। बागबेड़ा, सोमायझोपड़ी, हरहरगुट्टू और अन्य बस्तियों में पीने के पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है. चारों ओर त्राहि-त्राहि मची है और लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं. ऐसे में, बागबेड़ा प्रधानटोला कुसुम घाट के पास एक विरोधाभास देखने को मिलता है. यहां जुगसलाई नगर परिषद द्वारा लगाई गई पाइपलाइन से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है. कुसुम घाट के पास जुगसलाई नगर परिषद का इंटकवेल है, जहां से पानी नदी से एकत्र होकर जुगसलाई नगर परिषद को जाता है. लेकिन वर्तमान में, मेन पाइपलाइन से जुड़े होने के कारण, पाइपलाइन से चौबीसों घंटे पानी बह रहा है. पानी की यह बर्बादी पंचायत प्रतिनिधियों, समाज के मुखिया और बुद्धिजीवियों की आंखों के सामने हो रही है, फिर भी सब मौन हैं. ऐसा लगता है जैसे उन्हें पानी की अहमियत का कोई ज्ञान ही नहीं है. जबकि पाइपलाइन में एक साधारण नल का टेप लगाकर पानी की बर्बादी को रोका जा सकता है. प्रतिदिन बस्तीवासी और आसपास के लोग अपने जार लेकर पानी भरने आते हैं, लेकिन किसी को भी इस बर्बादी की चिंता नहीं है. यह दृश्य एक विडंबना है, जहां एक ओर लोग पानी के लिए तरस रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पानी व्यर्थ बह रहा है.

बच्चा चोर गिरोह के आने की अफवाह में बोलेरो सवार पांच लोगों को ग्रामीणों ने पकड़ा, पुलिस ने कराया मुक्त

काठीकुंड, एजेंसी। काठीकुंड में अफवाह पर भरोसा करके शुक्रवार मध्य रात्रि बोलेरो सवार कुछ बाहरी लोगों को चोरों के गिरोह के सदस्य होने के शक में ग्रामीणों द्वारा बंधक बना लिया गया. दरअसल कुछ दिनों से सोशल मीडिया में चोर गैंग के क्षेत्र में सक्रिय होने का संदेश वायरल हो रहा था. इसे लेकर कई गांवों के लोग टोली बना कर रतजगा कर रहे हैं. इसी क्रम में दुमका जिले स्थित आमगाछी-कल्याणपुर मुख्य पथ स्थित काठीकुंड थाना क्षेत्र के चिरूडीह गांव के ग्रामीणों द्वारा मुख्य पथ पर रात एक बजे बोलेरो में चालक सहित सवार कुल 5 लोगों को पकड़ लिया गया. मिली जानकारी के मुताबिक बोलेरो चिरूडीह गांव पार कर रानीपहाड़ी गांव की ओर जा रही थी, जिसे देख कर चिरूडीह गांव के ग्रामीणों द्वारा रानीपहाड़ी गांव के ग्रामीणों को फोन पर इसकी सूचना दी गयी. रानीपहाड़ी के ग्रामीणों द्वारा मुख्य मार्ग के बीचों बीच बैलगाड़ी रख कर बोलेरो को रोकने का प्रयास किया गया. बीच रास्ते में बैलगाड़ी खड़ी देख कर वाहन चालक ने भयभीत होकर गाड़ी को वापस चिरूडीह गांव की ओर मोड़ लिया, जहां पूर्व से खड़े ग्रामीणों द्वारा बोलेरो को रोक लिया गया. ग्रामीणों द्वारा पूछताछ के क्रम में वाहन सवार लोगों ने बताया कि वो सभी भागलपुर से लिट्टीपाड़ा के रास्ते तारापीठ मंदिर पूजा करने के लिए जा रहे थे. बोलेरो सवार राजकुमार चौधरी, सिकंदर वर्मा, नरेंद्र चौधरी, सुधांशु कुमार झा व बोलेरो चालक मो मनीर सभी भागलपुर जिला के सन्हौला थाना के निवासी थे. बताया कि रास्ता भटक कर वो इस ओर चले आए थे. ग्रामीणों द्वारा वाहन सवार सभी को गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में रखा गया. सुबह तक यह खबर आग की तरह फैल गयी और शिकारीपाड़ा, गोपीकांदर, पाकुड़िया व काठीकुंड थाना क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीण चिरूडीह गांव पहुंच गये. सुबह कई गांवों के ग्राम प्रधान की उपस्थिति में बैठक कर सभी लोगों को जाने देने का निर्णय लिया गया, लेकिन उपस्थित भारी भीड़ द्वारा इसे लेकर बवाल किया जाने लगा. तब तक काठीकुंड, गोपीकांदर व शिकारीपाड़ा पुलिस गांव पहुंच चुकी थी. मौके पर उग्र भीड़ द्वारा बोलेरो को बुरी तरह तोड़फोड़ करते हुए उलटा दिया गया. काठीकुंड थाना प्रभारी त्रिपुरारी कुमार, गोपीकांदर थाना प्रभारी सुमित भगत द्वारा आक्रोशित भीड़ को समझाने का काफी प्रयास किया गया, लेकिन बंधक बनाए गए लोगों को ग्रामीणों ने ले जाने नहीं दिया. मामले को उग्र होता देख कर एसडीपीओ विजय कुमार महतो, बीडीओ सौरव कुमार, सीओ ममता मरांडी व इंस्पेक्टर अरविंद कुमार ने भी गांव पहुंच कर लोगों को घंटों तक समझाने का प्रयास किया, जो असफल रहा. अंततः चिरूडीह गांव के ग्रामीणों ने इस मसले को अपने गांव से संबंधित बताते हुए बाहर गांव से आए ग्रामीणों को खदेड़ा. ग्रामीणों ने अपने व पुलिस प्रशासन के घेरे में सभी बंधक लोगों को पुलिस की गाड़ी में बिठा कर पुलिस के हवाले किया. इस संबंध में थाना प्रभारी त्रिपुरारी कुमार ने बताया कि सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में 200 से 250 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है. कहा कि छुड़ाए गये सभी लोग सकुशल हैं और उन्हें घर जाने दिया गया. बीते कुछ दिन से चोरों की अफवाह को लेकर चीजें स्पष्ट करते हुए ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए अंचलाधिकारी काठीकुंड द्वारा सभी ग्राम प्रधानों की बैठक बुला कर लोगों के बीच जागरूकता फैलाने की पहल की जायेगी. स्कूल व आंगनबाड़ी हुई प्रभावित ः आंगनबाड़ी में लोगों को रखे जाने के कारण आंगनबाड़ी संचालित नहीं हो पाया. वहीं इसी जगह स्कूल होने के कारण स्कूल भी प्रभावित रहा. पुलिस प्रशासन बार-बार लोगों को समझाने का प्रयास करता रहा. जब लोग पुलिस की बातों को समझते दिखने लगते थे, उसी वक्त बाहर प्रखंड से आये लोगों द्वारा हो-हल्ला मचाते हुए माहौल को खराब करने का प्रयास किया जा रहा था. बिगड़ती व्यवस्था को देखते हुए एसआईआरबी, सेट के साथ ही पर्याप्त पुलिस बल मंगाए गये थे. कानून के साथ कोई खिलवाड़ करेगा, तो होगी कार्रवाई ः एसपी दुमका एसपी पीतांबर सिंह ने कहा कि बच्चा चोर आने की खबर पूरी तरह से अफवाह है. ऐसा कोई भी मामला सामने नहीं आया है. सभी से अपील है कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान नहीं दें. साथ ही दूसरे को भी जागरूक करें. अगर कहीं कोई संदिग्ध है तो उसकी सूचना पुलिस को दें.

सुभाषितम्

मुट्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं। - महात्मा गांधी

बेपर्द हुई न्यायपालिका

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर में तब आग लगी, जब वह छुट्टी लेकर होली मनाने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल गए थे। दिल्ली स्थित निवास में होली के दिन उनके घर के स्टोर रूम पर आग लगी। यह घटना कई दिनों तक सामने नहीं आई। कई दिन बाद आग की घटना एक राष्ट्रीय समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ में प्रकाशित हुई। तब जाकर हंगामा मचा। आग तो बुझ गई थी, लेकिन जज के घर की लगी आग की ठंडी राख में दबी चिंगारी से ऐसी लपटें उठीं, जिसकी चपेट में आकर पूरी न्यायपालिका ही धू-धू करके जलने लगी। जस्टिस यशवंत वर्मा का कहना है कि उनके खिलाफ साजिश रची गई है। जिस जगह आग लगी थी वह एक स्टोर रूम है। जो उनके निवास स्थान से काफी दूर है। इस स्टोर रूम के पास आउट हाउस बने हुए हैं। स्टोर में कबाड़ जैसा सामान रखा रहता था। वहां पर रोजाना बंगले में काम करने वाले लोग आते-जाते थे। जब वह लौट कर आए थे, तब वहां पर नोटों से संबंधित कोई निशान नहीं थे। ना ही उस समय उन्हें नोटों से संबंधित कोई बात बताई गई थी। जस्टिस यशवंत वर्मा इसे एक साजिश बता रहे हैं। मीडिया में जिस तरह से इस मामले का खुलासा हुआ है, न्यायमूर्ति वर्मा के गड़े मुर्दे जिस तरह से उखाड़कर मीडिया सामने लेकर आ रही है। जिस तरह से इस मामले को गोपनीय बनाकर रखा गया था। कई दिनों बाद फायर ब्रिगेड के अलग-अलग बयान आ रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने मौन साध रखा है। सरकार ने भी पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। जस्टिस वर्मा के घर 15 करोड़ से लेकर 50 करोड रुपए तक की नगदी होने की बात मीडिया में प्रकाशित हो रही है। किसने नोट गिने, किसने नोट जप्त किये, दिल्ली पुलिस ने कब किसको सूचना दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कब सुप्रीम कोर्ट को सूचना दी। सुप्रीम कोर्ट को कब सूचना मिली। कब सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम की बैठक बुलाई। इन सभी मामलों में जिस तरह की चुप्पी सभी पक्षों ने साध रखी है। उससे न्यायपालिका की साख सड़कों पर तार-तार हो रही है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार द्वारा जिस तरह का दबाव न्यायाधीशों की नियुक्ति, ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर कॉलेजियम बनाए जाने को लेकर रहा है। कॉलेजियम और सरकार के बीच में जिस तरह की तनातनी समय-समय पर देखने को मिली है। वर्तमान में सरकार का न्यायपालिका के ऊपर जिस तरह का दबाव है, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण सुप्रीम कोर्ट और अन्य न्यायपालिका के जजों के ऊपर किस तरह से सरकार का दबाव है। इसको लेकर समय-समय पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर देखने को मिला है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई और पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के कार्यकाल में जिस तरह के फैसले बाबरी मस्जिद, पेगासस, चुनाव आयोग, दिल्ली सरकार, बोफोर्स हिंडनबर्ग और अन्य मामलों में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के सामने आए हैं। उसको लेकर न्यायपालिका के कामकाज की समय-समय पर आलोचना होती रही है। हाल ही में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा और पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के संबंध, इलाहाबाद हाईकोर्ट से लेकर दिल्ली लाने के बीच में जोड़े जा रहे हैं। जिस शुगर फैक्ट्री में यशवंत वर्मा डायरेक्टर थे। सीबीआई की जांच चल रही थी, उस जांच को चंद्रचूड़ के आदेश से बंद किया गया था। यह सारे तथ्य न्यायपालिका की साख को तार-तार कर रहे हैं। इस मामले की जांच के लिये सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने तीन सदस्यों की एक आंतरिक जांच कमेटी बनाई है। जिसमें पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल के न्यायाधीश जीएस संधावालिया तथा कर्नाटक हाईकोर्ट के जज अनु शिवरामन की कमेटी को जांच करने की जिम्मेदारी दी हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने एक जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी है। इस मामले में दिल्ली पुलिस एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की भूमिका को लेकर भी, मीडिया जगत में तरह-तरह की चचाएं चल रही हैं। मीडिया में जस्टिस लोया की मौत भी चचाओं में गई है।

चिंतन-मनन

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर। बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है। अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा।

तलाक की भेंट चढ़ते तेरे मेरे सपने

-प्रियंका सौरभ

आजकल तलाक के बढ़ते मामलों ने समाज में एक नई चिंता को जन्म दिया है। चाहे अरेंज मैरिज हो या प्रेम विवाह, रिश्तों में दूरियाँ बढ़ने से वैवाहिक जीवन अस्थिर होता जा रहा है। तलाक सिर्फ.दो लोगों को ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों, बच्चों और समाज को भी प्रभावित करता है। इसलिए, इसे रोकने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने जरूरी हैं। तलाक कोई हल नहीं है, बल्कि यह आखिरी विकल्प होना चाहिए। रिश्ते को मजबूत और खुशहाल बनाने के लिए आपसी सम्मान, संवाद, धैर्य और प्रेम जरूरी हैं। यदि पति-पत्नी एक-दूसरे को समझने की कोशिश करें और रिश्ते में संतुलन बनाए रखें, तो तलाक की दर को कम किया जा सकता है। प्रेम विवाह में तलाक की दर अधिक होने का कारण गलत अपेक्षाएँ, कम सहनशीलता, पारिवारिक समर्थन की कमी और संवाद की कमी है। लेकिन सही समझदारी और परिपक्वता से इसे रोका जा सकता है। शादी सिर्फ.प्यार से नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और आपसी सहयोग से सफल होती है।

आज के दौर में प्रेम विवाह का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही तलाक की दर भी बढ़ती जा रही है। जहाँ प्रेम विवाह को प्रेम, स्वतंत्रता और आपसी समझ का प्रतीक माना जाता था, वहीं तलाक के बढ़ते मामलों ने इस धारणा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शादी सिर्फ.दो लोगों का साथ नहीं, बल्कि उनके सपनों, उम्मीदों और भावनाओं का एक संगम होती है। जब दो लोग प्रेम विवाह करते हैं, तो वे भविष्य के कई सुनहरे सपने बुनते हैं—साथ मिलकर जीने के, खुशियाँ बाँटने के और एक खूबसूरत सफर तय करने के। लेकिन जब यह सफर तलाक की कगार पर पहुँचता है, तो सबसे पहले कुचले जाते हैं तेरे मेरे सपने। शादी से पहले जो जोश, उत्साह और अपनापन होता है, वह धीरे-धीरे कई कारणों से फीका पड़ने लगता है। छोटी-छोटी गलतफहमियाँ, अहंकार की दीवारें और बदलती प्राथमिकताएँ उन सपनों को मिटाने लगती हैं, जिन्हें कभी दोनों ने मिलकर संजोया था।

शादी से पहले एक-दूसरे के लिए जो सपने देखे जाते हैं, वे हकीकत की ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबने लगते हैं। जब सपनों की दिशा अलग-अलग हो जाती है, तो रिश्ते कमजोर पड़ने लगते हैं। प्रेम सम्बंध में अक्सर लोग अपने साथी को एक आदर्श रूप में देखते हैं, लेकिन शादी के बाद जब वास्तविकता सामने आती है, तो असंतोष उत्पन्न हो सकता है। एक

सफल विवाह के लिए संवाद बहुत जरूरी होता है। यदि जीवनसाथी एक-दूसरे की बातों को समझने और सुनने में असमर्थ होते हैं, तो रिश्ते में दरार आ सकती है। कई बार शादी के बाद आर्थिक दबाव और ज़िम्मेदारियों को निभाने में कठिनाइयाँ आने लगती हैं, जिससे मतभेद बढ़ सकते हैं। प्रेम विवाह में कई बार परिवार और समाज का विरोध झेलना पड़ता है। यदि दंपति मानसिक रूप से मजबूत नहीं होते, तो यह तनाव उनके रिश्ते को प्रभावित कर सकता है। यदि किसी एक साथी का व्यवहार संदेहास्पद होता है या अविश्वास उत्पन्न होने लगता है, तो यह तलाक का कारण बन सकता है। शादी के बाद जब दोनों व्यक्तियों की प्राथमिकताएँ बदलने लगती हैं और यदि उनकी सोच मेल नहीं खाती, तो रिश्ते में तनाव आ सकता है। आधुनिक समय में करियर को प्राथमिकता देने से वैवाहिक जीवन पर असर पड़ सकता है। कई बार साथी एक-दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करने लगते हैं, जिससे मतभेद बढ़ते हैं। आत्मसम्मान और अहंकार की लड़ाई शुरू हो जाती है। कौन ज्यादा सही है? यह सवाल रिश्ते को भीतर से खोखला करने लगता है और सपने टूटने लगते हैं।

केवल प्रेम ही नहीं, बल्कि समान विचारधारा, पारिवारिक पृष्ठभूमि, करियर लक्ष्य और जीवनशैली को ध्यान में रखकर जीवनसाथी का चुनाव करें। हर समस्या पर खुलकर बात करें और अपने साथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। शादी से पहले और बाद में एक-दूसरे से व्यावहारिक अपेक्षाएँ रखें और उन्हें पूरा करने का प्रयास करें। किसी भी रिश्ते की नींव विश्वास होती है। अपने साथी के प्रति निष्ठावान रहंह और पारदर्शिता बनाए रखें। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं। किसी भी समस्या का समाधान जल्दबाजी में न निकालें, बल्कि धैर्यपूर्वक विचार करें। कभी-कभी परिवार और करीबी दोस्तों से सलाह लेना भी रिश्ते को मजबूत करने में मदद कर सकता है। यदि रिश्ते में समस्याएँ बढ़ रही हैं, तो विवाह विशेषज्ञ या काउंसलर से मार्गदर्शन लेना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। शादी के बाद भी एक-दूसरे के सपनों को समझें और उन्हें साथ मिलकर पूरा करने का प्रयास करें। हर छोटी-बड़ी बात पर चर्चा करें, अपने साथी की भावनाओं को समझें और अपनी बात को सही तरीके से सामने रखें। शादी के बाद ज़िम्मेदारियाँ बढ़ जाती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सपनों का त्याग कर दिया जाए। एक-दूसरे को सहयोग दें ताकि व्यक्तिगत इच्छाएँ पूरी हो सकें। जब रिश्ते में अहंकार आ जाता है, तो प्रेम कम होने लगता है। इसलिए हर स्थिति में प्रेम को प्राथमिकता दें। अगर लगने लगे कि रिश्ता बोझ बन रहा है, तो कुछ समय साथ बिताएँ, घूमने जाएँ, पुरानी यादों को ताजा करें और रिश्ते को नए सिरे से शुरू करने की कोशिश करें।

प्रेम विवाह में तलाक की बढ़ती दर चिंताजनक है, लेकिन इसे रोका जा सकता है यदि दंपति आपसी समझ, विश्वास और धैर्य बनाए रखें। शादी सिर्फ. प्रेम पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें सम्मान, जिम्मेदारी और परिपक्वता का होना भी जरूरी है। सही सोच और व्यवहार अपनाकर प्रेम विवाह को सफल और खुशहाल बनाया जा सकता है। तलाक सिर्फ. कानूनी अलगाव नहीं होता, यह उन सपनों की मौत भी होती है जो कभी दो लोगों ने मिलकर देखे थे। रिश्तों को बचाने के लिए जरूरी है कि प्रेम, विश्वास और समझदारी को बनाए रखा जाए। क्योंकि अगर तेरे मेरे सपने बिखर गए, तो सिर्फ. दो दिल नहीं टूटेंगे, बल्कि दो ज़िंदगियाँ भी अधूरी रह जाएँगी। प्रेम विवाह में तलाक की दर अधिक होने का कारण गलत अपेक्षाएँ, कम सहनशीलता, पारिवारिक समर्थन की कमी और संवाद की कमी है। लेकिन सही समझदारी और परिपक्वता से इसे रोका जा सकता है। शादी सिर्फ.प्यार से नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और आपसी सहयोग से सफल होती है।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने के प्रयास और संवैधानिक मूल्य

- राम पुनियानी

वी-डेम इंस्टिट्यूट की भारत के संबंध में रपट, जो द हिंदू में प्रकाशित की गई है, में कहा गया है कि यह रेखांकित करते हुए कि लोकतंत्र के लगभग सभी घटकों की स्थिति जितने देशों में सुधर रही है, उससे अधिक देशों में बिगड़ रही है, रपट में विशेष तौर पर यह जिक्र किया गया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, निष्पक्ष चुनाव और संगठित होने व नागरिक समाज की आजादी पर निरंकुशता की ओर बढ़ते देशों में सबसे गंभीर दुष्प्रभाव पड़ा है।

रपट में भारत के मैदानी हालात का काफी सटीक सार प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा, भारत में अल्पसंख्यकों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। हाल के समय में आरएसएस-बीजेपी मिलकर हिंदू उत्सवों और समागमों का इस्तेमाल अल्पसंख्यकों को आतंकित करने के एक और औजार के रूप में करने लगे हैं। यह रामनवमी के समारोहों, होली और कुंभ मेले के दौरान व्यापक तौर पर देखा गया।

पिछले दस सालों से सत्ता पर काबिज समूह के बढ़ते हुए तानाशाहीपूर्ण रवैये के चलते ही तमाम विरोधाभासों के बावजूद अधिकांश विपक्षी दलों के एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाया। इस गठबंधन के गठन, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा व भारत जोड़ो न्याय यात्रा व सामाजिक समूहों द्वारा गठित मंचों जैसे इदिलू कर्नाटका और भारत जोड़ो अभियान का मिलाजुला प्रभाव लोकसभा चुनावों पर पड़ा और भाजपा का 400 सीटें जीतने का लक्ष्य मिट्टी में मिल गया।

यह सच है कि इंडिया गठबंधन वांछित दिशा में नहीं बढ़ा और विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने का इरादा पूरा न हो सका। यह इंडिया गठबंधन को महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में सफलता हासिल न हो पाने की एक वजह थी। इसकी दूसरी वजह थी संघ परिवार के सभी सदस्यों द्वारा भाजपा के पक्ष में पूरी ताकत लगा देना। यह कोई नई बात नहीं है लेकिन यह उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनावों के दौरान जे। पी। नड्डा ने बयान दिया था कि भाजपा को आरएसएस की मदद की जरूरत नहीं है क्योंकि अब वह इतनी सशक्त हो गई है कि सिर्फ अपने दम पर चुनाव जीत सके। ऐसा लगता है कि लोकसभा चुनावों के बाद इंडिया गठबंधन को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण जरूरत के प्रति उसके कई घटक दलों का रवैया उपेक्षापूर्ण रहा और कई ने इसके प्रति उदासीनता दर्शाई और सबसे बड़े विपक्षी दल, कांग्रेस ने भी इस संबंध में कोई बड़ी पहल नहीं की। यहां यह उल्लेखनीय है कि विचारधारा की दृष्टि से इस गठबंधन का सशक्त घटक सीपीआई (एम) इस मामले पर पुनर्विचार कर रहा है। उसके कार्यवाहक महासचिव प्रकाश करात ने कहा है कि विपक्षी इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बनाया गया था राज्यों के चुनावों के लिए नहीं।।।और उन्होंने धर्मनिरपेक्ष विपक्षी दलों का एक वृहद गठबंधन बनाए जाने का आव्हान किया। उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधनों को एक वृहद परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए ताकि चुनावी राजनीति उनका गला न घोंट दे। यही बात दूसरे शब्दों में वामपंथी झुकाव वाले बुद्धिजीवी कह रहे हैं जिनका मानना है कि भाजपा दरअसल, एक पूरी तरह फासीवादी पार्टी नहीं है। जैसे प्रभात पटनायक तर्क देते हैं कि जहां नवउदारवादी पूंजीवाद एक ह्यफासीवादी हालातह्य उत्पन्न करता है जो दक्षिणपंथी अधिनायकवादी आंदोलनों, विदेशियों के प्रति द्वेष, अति राष्ट्रवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षय के रूप में प्रकट होती है - किंतु यह अनिवार्यतः 1930 के दशक के पूरी तरह से फासीवादी राष्ट्रह्य का पुनर्सृजन नहीं करती। हिन्दुत्वादी राष्ट्रवाद के लिए नव फासीवाद, आद्य फासीवाद, कट्टरवाद आदि कई शब्दों का इस्तेमाल किया गया है परंतु रेखांकित करने वाली बात यह है कि कोई भी राजनैतिक परिघटना स्वयं को उसी तरीके से नहीं दुहराती। आज हिन्दुत्वादी राष्ट्रवाद के कई लक्षण फासीवाद से मिलते-जुलते हैं। फासीवाद ही आरएसएस के संस्थापकों, विशेषकर एम। एस। गोलवलकर का प्रेरणास्त्रोत था। उन्होंने अपनी पुस्तक ह्यह्यवी ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंडह्यह्य में कहा अपनी संस्कृति और नस्ल की शुद्धता कायम रखने के लिए जर्मनी ने सेमेटिक नस्लों - यहूदियों - का देश से सफाया कर दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया। यह नस्लीय अभिमान की उच्चतम अभिव्यक्ति है। जर्मनी ने यह भी दिखा दिया है कि मूलभूत अंतर वाली विभिन्न संस्कृतियों और नस्लों का मिलकर एक हो जाना लगभग असंभव होता है। यह हिन्दुस्तान में हमारे लिए एक अच्छा सबक है जिससे हम कुछ सीख सकते हैं और लाभान्वित हो सकते हैं।

हम भारत में फासीवाद के लक्षणों को उभरता देख रहे हैं जैसे स्वर्णिम अतीत, अखंड भारत की अभिलाषा, अल्पसंख्यकों को देश का शत्रु करार देकर निशाना बनाना, अधिनायकवाद, बड़े उद्योग-धंधों को बढ़ावा देना, अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रहार और सामाजिक चिंतन पर हावी होना आदि। हम यहां अभिव्यक्ति की आजादी के प्रति असहनशीलता का नजारा देख रहे हैं, जैसा कि महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी के मामले में हाल में हुआ। उन्होंने कहा था ह्यह्यआरएसएस एक जहर है। वे इस देश की अंतरात्मा को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। हमें इससे भयभीत होना चाहिए क्योंकि यदि अंतरात्मा नष्ट हो जाती है, तो सब कुछ छिन जाता है। तुषार गांधी से माफी मांगने और अपने शब्द वापस लेने की मांग की गई। उन्होंने दोनों में से कुछ भी नहीं किया और अब उन्हें हत्या की धमकियां दी जा रही हैं।

आरएसएस ने अपनी जबरदस्त पहुंच, सैकड़ों अनुषांगिक संगठनों, हजारों प्रचारकों और लाखों कार्यकताओं के माध्यम से आजादी के आंदोलन से जन्मे भारत के विचार के लिए खतरा पैदा कर दिया है, आजादी के आंदोलन के मूल्य हमारे संविधान में अभिव्यक्त हुए, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार देने पर आधारित हैं और इसके केन्द्र में है समावेशिता। आरएसएस की विचारधारा आजादी के आंदोलन और भारतीय संविधान के मूल्यों के विपरीत है। और वह अपने विशाल नेटवर्क के माध्यम से उसे आगे बढ़ा रहा है। प्रारंभ में उसने इतिहास को तोड़-मरोड़कर मुसलमानों के प्रति नफरत पैदा की, जैसा इस समय महाराष्ट्र में हो रहा है जहां औरंगजेब की कब्र को हटाया जाना सत्ताधारी भाजपा की पहली प्राथमिकता बन गया है।

मौत के ठीक पहले मस्तिष्क की गतिविधि

- संजय गोस्वामी

मरने के ठीक पहले क्या होता है ऐ कोई साधारण पुरुष नहीं जान सकता लेकिन ऐ किसी के लिए कष्ट का कारण है किसी के लिए खुशी का,कई लोग जो मौत के करीब पहुँच चुके हैं या जिन्हें पुनर्जीवित किया गया है, वे इसी तरह के अनुभव की रिपोर्ट करते हैंः उनकी आँखों के सामने उनका जीवन घूम जाता है, यादगार पल फिर से चलने लगते हैं, और वे शरीर से बाहर के अनुभव से गुजर सकते हैं, उन्हें लगता है कि वे कमरे में कहीं और से खुद को देख रहे हैं। अब, चार लोगों की मस्तिष्क गतिविधि को मैप करने वाले एक छोटे से अध्ययन में उनके दिल के रुकने के बाद उनके मस्तिष्क में गतिविधि का एक क्रम दिखाई देता है। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित यह खोज यह समझा सकती है कि कैसे किसी व्यक्ति का मस्तिष्क दिल के रुकने के बाद भी सचेत यादों को फिर से चला सकता है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन मेडिकल सेंटर के पल्मोनोलॉजिस्ट सैम पारनिया, जो अध्ययन उस समय किया जो मौत से ठीक पहले थी , कहते हैं, यह सुझाव देता है कि हम स्पष्ट चेतना के एक मार्कर की पहचान कर रहे हैं। हालाँकि मृत्यु को ऐतिहासिक रूप से चिकित्सकीय रूप से उस क्षण के रूप में परिभाषित किया गया है जब दिल धड़कना बंद कर देता है, हाल के अध्ययनों में यह पाया गया है कि कई जानवरों और मनुष्यों में मस्तिष्क की गतिविधि सेकंड से लेकर घंटों तक जारी रह सकती है। उदाहरण के लिए, 2013 में, मिशिगन विश्वविद्यालय के न्यूरोलॉजिस्ट जिमो बोरजिगिन और उनकी टीम ने पाया कि चूहों के मस्तिष्क में उनके दिल की धड़कन बंद होने के 30 सेकंड बाद तक चेतना के लक्षण दिखाई देते हैं। फिर भी, सैकड़ों वर्षों में नैदानिक मृत्यु या लगभग मरने के बाद पुनर्जीवित किए गए लोगों की कई रिपोर्टों के बावजूद, मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि हम मरने की प्रक्रिया के दौरान मस्तिष्क की गतिविधि के बारे में लगभग कुछ भी नहीं जानते हैं, बोरजिगिन कहती हैं- वर्तमान अध्ययन के लिए, उन्होंने और उनकी टीम ने चार लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड देखे जो कोमा में थे और जीवन रक्षक प्रणाली पर थे जिन पर चिकित्सकों ने इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राफी कैप लगाई थी। किसी भी मरीज के बचने की कोई संभावना नहीं थी।

कैप्स ने प्रत्येक रोगी के मस्तिष्क की सतह पर घूम रहे विद्युत संकेतों की लगातार निगरानी कीः चिकित्सकों द्वारा उनके वेंटिलेटर हटाने से पहले और बाद में, प्रत्येक रोगी के अंतिम मापने योग्य दिल की धड़कन के दौरान, और जब तक कि सभी मस्तिष्क की गतिविधि बंद नहीं हो गई। उनके वेंटिलेटर हटाए जाने के कुछ सेकंड बाद, दो रोगियों के मस्तिष्क अचानक उच्च आवृत्ति पैटर्न में न्यूरोनल गतिविधि के विस्फोट के साथ चमक उठे, जिसे गामा तरंगें कहा जाता है, जो तब भी जारी रही जब दिल की धड़कन बंद हो गई। अन्य अध्ययनों में भी यही पैटर्न पाया गया है जब एक स्वस्थ व्यक्ति सक्रिय रूप से किसी स्मृति को याद कर रहा होता है, सीख रहा होता है, या सपने देख रहा होता है, और कुछ न्यूरोसाइंटिस्ट ने इन दोलनों को चेतना से जोड़ा है। लुइसविले विश्वविद्यालय के एक न्यूरोसर्जन अजमल जेमर कहते हैं कि गामा तरंगें संकेत दे सकती हैं कि विभिन्न मस्तिष्क क्षेत्र किसी वस्तु की सचेत जागरूकता में अलग-अलग संवेदनाओं को जोड़ने के लिए एक साथ मिला कर अध्ययन किया गया।

आज का राशिफल

मेष मेष राशि वालों के लिए दिन करियर के लिए अच्छा है और आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं।

तुला जोखिम भरे काम से बचने की सलाह है। कार्यक्षेत्र में हर तरह के रिस्क से दूर रहें।

वृषभ वृषभ राशि वालों के लिए दिन तरक्की और सफलता से भरा रहेगा। किस्मत आपका साथ देगी।

वृश्चिक दिन उथल-पुथल से भरा रहेगा।कई तरह के विवाद और झंझट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन मिथुन राशि वालों को व्यापार में भाग्य का साथ मिलेगा और सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु धनु राशि वालों को करियर में लाभ होगा और आपके सभी काम समय पर पूरे होंगे।

कर्क कर्क राशि वालों को करियर में सफलता मिलेगी और आप हर क्षेत्र में अपना नाम कमाएंगे।

मकर सुबह से ही मूड अच्छा रहेगा। आपको किसी बड़े लाभ के चक्कर में दिनभर भागदौड़ कर सकते हैं।

सिंह सिंह राशि वालों के लिए दिन तरक्की से भरा रहेगा और आपको करियर में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ दिन व्यस्त रहेगा। एक साथ कई काम आपके हाथ में आने से आपकी बेचैनी बढ़ सकती है।

कन्या दिन असमंजस से भरा होगा। समझ नहीं आएगा कि क्या करना सही होगा और क्या गलत।

मीन मीन राशि के लोगों के लिए अच्छी खबर है और आपको उन्हें सफलता मिलेगी।

विशेष

बढ़ता हुआ रक्तचाप कितना घातक

अनुमान है कि विश्व में तकरीबन 40 प्रतिशत व्यक्ति उच्च रक्तचाप के रोगी है। प्रायः उच्च रक्तचाप के कोई लक्षण नहीं होते। यही वजह है कि इस रोग को साइलेंट किलर कहा जाता है। उच्च रक्तचाप का प्रारंभिक अवस्था में उपचार अत्यंत आवश्यक है। अन्यथा यह रोग हृदय, मस्तिष्क,रेटिना और गुर्दों को क्षतिग्रस्त कर देता है। पुराने वक्त से चले आ रहे अनेक घरेलू नुस्खेआधुनिक विज्ञान की कचोटी पर भी खरे उतर रहे हैं। ऐसी एक खोज प्याज के बारे में की गई है। पूर्वी टेक्सास विश्वविद्यालय के डॉक्टर कैथरीन एवं डॉक्टर मौसेज का कहना है कि कच्चा प्याज खाने से बढ़ते हुए रक्तचाप को कम किया जा सकता है। अनुसंधानों के द्वारा वैज्ञानिकों ने भी पाया है कि कच्चे प्याज में काफी मात्रा में पोस्टाग्लैन्डन ए -वन नामक जैविक पदार्थ होता है। उनका अनुमान है कि एक प्याज में तकरीबन मिलीग्राम का चौथाई हिस्सा प्रोस्टाग्लैन्डन का होता है। प्रोस्टाग्लैन्डग एक हार्मोन समान पदार्थ है और पहले किसी सब्जी में नहीं पाया गया। रक्तचाप को सामान्य करने में प्रोस्टाग्लैन्डन पूर्ण समर्थ है। चूहों के ऊपर हुए परीक्षणों में यह पाया गया कि एक मिलीग्राम प्रोस्टाग्लैंन्डन इंजेक्ट करने पर रक्तचाप में काफी अंतर आ जाता है। रक्तचाप नियंत्रित मेकेनिज्म चूहों और मानव में एक सा है। अतः प्याज का यह अद्भुत असर मानव में भी होना चाहिए। उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों में सबसे बड़ा वर्ग उन रोगियों का है। जिनमें शरीर की पूर्ण जांच के पश्चात भी कोई स्पष्ट वजह साफ नहीं हो पाती। ऐसे रोगियों को इसेनिशयल हाइपरटेंशन का रोगी मान लिया जाता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1307 दोलताबाद किले पर अलाउद्दीन खिलजी ने कब्जा किया. 1595 इंग्लैंड का फ्रांस और स्काटलैंड के साथ युद्ध बोलोगन संधि के साथ समाप्त हुआ. 1603 इंग्लैंड और स्काटलैंड के तख्त को मिला दिया गया तथा एलिजाबेथ प्रथम की मौत के बाद जेम्स छठवें जेम्स प्रथम के रूप में गद्दी पर बैंठे. 1783 स्पेन ने अमेरिकी स्वतंत्रता को मान्यता दी. 1848 सर्डीनिया ने आस्ट्रिया के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1855 कलकत्ता से आगरा तक पहला तार भेजा गया. 1924 यूनान गणराज्य बना. 1946 लार्ड पैथिक लारेंस के नेतृत्व में ब्रिटिश कैबिनेट मिशन भारत आया. 1947 लार्ड माउंटबैटन ने कार्यभार संभाला. 1977 केन्द्र में पहली गैर कांग्रेस सरकार का गठन हुआ था. 1977 मोरारजी देसाई द्वारा भारत के नये प्रधानमंत्री के रुप में शपथ.

दैनिक पंचांग

24 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.06 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	08.46 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.44 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.58 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	15.14 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.26 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.37 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.51 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	00.07 बजे से
राहुकाल		मकर	02.13 बजे से
7.30 से 9.00		कुंभ	03.59 बजे से
बजे तक		मीन	05.32 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 83 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि दशमी 05.06 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 04.27 बजे रात्र को समाप्त।
योग परिघ 16.45 बजे को समाप्त।
करण वणिज 17.28 बजे तदनन्तर विष्टि 05.06 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 24.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872293
जूलियन दिन 2460758.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 23

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सबेरे से शाम तक कृषि कार्य में इस्तेमाल किए गये औजार जू कंधों पर ढ़ोने से उसके कंधों में भी दर्द उत्पन्न होता हैं। अगर हम बैल की ओर यह सब सोचकर नये दृष्टिकोण से देखें तो हमें यह महसूस होगा। अतः उसकी उचित देखभाल तथा प्रबंधन करने से बैलों की थकान मिटाई जा सकती हैं तथा समुचित पोषण प्रबंधन द्वारा उसकी जो ऊर्जा खर्च होती हैं उसकी भरपाई की जा सकती है। ऐसा न करने पर कुपोषण, गलन प्रबंधन अधूरी देखभाल से बैलों की कार्यक्षमता कार्य उत्पादन स्वास्थ्य पर विपत्ति असर पड़ता हैं। अतः यह सब टालने हेतु उनका निम्नलिखित अनुसार प्रबंधन करें

खेतिहर बैलों की देखभाल

आवास प्रबंधन

बैलों को अत्यधिक शारीरिक परिश्रम करना पड़ता है और इससे वे थककर चूर हो जाते हैं। अतः शाम को घर लौटने के बाद उन्हें आराम प्रदान करने हेतु आरामदायक आवास निहायत जरुरी हैं। आवास ऊंचाई पर, साफ-सुथरी जगह, सुखे स्थान पर, प्रकाशमान हवादार होना चाहिए। आवास में बैल सबसे ज्यादा समय जमीन के संपर्क में रहते हैं अतः जमीन कठोर उबड़-खाबड़ पत्थर कंकड़ों से भरी कीचड़ भरी नहीं होनी चाहिए। फर्श नर्म मुलायम सूखा, साफ समतल आरामदेह होना चाहिए। फर्श पर पत्थर या पत्थर की गोटियां जो बहुत गर्म होती हैं या सर्दियों में बर्फ के समान ठंडी होती हैं बैलों के स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं होती। उन पर लगातार बैठने से उनके बदन में बादी पैदा होती है। यहां तक की लगातार कई दिनों तक ठंडे फर्श पर बैठने से उन्हे लकवे की शिकायत भी हो सकती है। ऐसा होने पर कीमती बैल बेकाम हो जाते हैं। अतः जमीन घुम्मस कर समतल बना लें। वह न तो कठोर होना चाहिए और न ही कीचड़ भरी हो। बाड़े की दीवार बाड़े के मध्य में 15 फीट ऊंची तथा बगलों में 10 फीट ऊंची होनी चाहिए। बाड़े के इर्द-गिर्द छायादार वृक्ष लगायें ताकि बैल उनकी ठंडी छाया में बैठकर विश्राम कर सकें बाड़े में पीने के लिए साफ, ठंडा ताजा जल उपलब्ध करवायें।

प्रबंधन

बैलों के प्रबंधन में कई बातें होती हैं। उन्हें तेज धूप होने पर खेत में कार्य हेतु न भेजें। सबेरे पांच बजे से सबेरे नौ या कम धूप होने पर 10 बजे तक तथा शाम को सूरज की रोशनी कम होने पर 2 से 3 घंटे कृषि कार्य हेतु इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे उन्हें थकान कम होगी, कम कष्ट होगा तथा कार्य उत्पादन ज्यादा होगा।

बैल जब काम करने के बाद थक जाते हैं तब वे हॉफने लगते हैं और उनके मुंह से झाग निकलने लगता हैं। उनके कार्य की गति कम हो जाती हैं यह सब अनुभव से जाना जा सकता हैं। ऐसी स्थिति आने पर उन पर रहम करें और थोड़ी देर के लिए काम रोक दें। उनकी गर्दन से जू हटाकर उन्हें किसी छायादार वृक्ष के नीचे आराम करने दें। थोड़ी देर बाद पानी पिलायें। कुछ हरा चारा तथा कुछ सूखा चारा खिलायें। अगर उन्हें मुठ्ठीभर नमक तथा कुछ गुड़ खिलाकर पानी पिलायें तो बहुत बेहतर होगा और ऊर्जा प्राप्त होगी। इससे वे तरोताजा हो जायेंगे और विश्राम के बाद नये उत्साह तथा उमंग से फिर कार्य कर पायेंगे। इससे उनसे थोड़ा ज्यादा कार्य करवा सकेंगे।

शाम को घर लौटने के बाद उनकी पीठ तथा विशेषकर कूबड़ को गर्म पानी से धीरे-धीरे मलकर धोयें। इसके अलावा पीठ तथा कुण्ड को गुनगुने तेल में कपूर मिलाकर उससे धीरे-धीरे रगड़कर मालिश करें। इससे बैलों को काफी आराम महसूस होगा तथा उनकी थकान दूर हो जायेगी। वे तरोताजा होकर नये उत्साह तथा उमंग से कार्य करेंगे। गर्मियों में कृषि कार्य से निवृत होने के बाद बाड़े में लौटने के कुछ देर बाद उन्हें ठंडे पानी से नहलाएं तथा उनका बदन पीठ तथा कूबड़ धीरे-धीरे रगड़कर मालिश करें।

बैलों के शरीर पर हर हफ्ते खरहरा करें। इससे उनके शरीर की मालिश हो जायेगी जिससे उनके शरीर में खून का संचार अच्छी तरह होगा। खरहरा करने से उनकी त्वचा में लसिका ग्रथियों का स्त्रवण भी सुचारु रुप से होगा जिससे उनकी त्वचा चमकदार और मुलायम तथा निरोगी रहेगी। खरहरा करने से उनके बदन पर अगर जूं. किलनी, लीचड़, पिस्सू आदि बाह्य परजीवी मौजूद हों तो वह भरी निकल जायेंगे। खरहरा करने के कई लाभ हैं ओर खर्च कुछ भी नहीं। अतः इस बिना खर्च की तकनीक का अवश्य इस्तेमाल करें।

कभी-कभी कोई किसान किसी कारणवश खरहरा नहीं कर पाते या पशुओं के झुंड बडे होने से बाह्य परजीवियों का प्रकोप हो गया तो डेल्टामेथ्रीन यह खास पशुओं के लिए बनी अलग दवा होती हैं फसलों के ऊपर छिड़काव करने वाली ज्यादा सान्द्र दवा तथा पंप इस कार्य हेतु इस्तेमाल न करें। 2 मिलीलीटर दवा एक लीटर पानी में घोलकर उसका बैलों के शरीर पर अच्छी तरह छिड़काव करें। विशेषकर जाधों में, सींगों के नीचे, कानों के नीचे दुम के नीचे अच्छी तरह छिड़काव करें क्योंकि इन स्थानों पर बाह्र परजीवी विशेष रुप से बहुतायत में रहते हैं।

बैलों को पेट के कृमियों को मारने वाली दवा जैसे अल्बेडझाल या थाईबेडझाल 3 महीने में एक बार पिलावें। इससे पेट के कृमियों का नाश होगा। इसके अलावा बैलों को बरसात शुरू होने से पहले हर वर्ष खुरपका-मुंहपका रोग, गलाघोंटू रोग, जहरी बुखार तथा लंगडा रोड इन रोगविरोधी टीके अनुभवी पशुचिकित्सक द्वारा लगवायें।

उनके खुरों की रोजाना जांच करें। अगर उनमें कांटे लगे हैं तो चिमटे से निकालकर वहां जंतुनाशक मरहम लगायें। अगर बैल सुस्त दिखाई दें तो अनुभवी पशुचिकित्सक द्वारा जांच करवाकर दवा का बंदोबस्त करें। उनके बाड़े में कीचड़ कतई न होने दे अन्यथा वे ठीक से आराम नहीं कर पायेंगे और आराम ना होने पर तरोताजा नहीं हो पायेंगे और दूसरे दिन सुस्त महसूस करेंगे तथा खेत में ठीक से कार्य नहीं कर पायेंगे। कीचड़ में कई तरह के कीड़े भी पैदा होते हैं तो बैलों को परेशान करते हैं काटते हैं जिससे उनमें थाइलेरिवासिस जैसी बीमारियां भी हो सकती हैं। अतः जब बैल खेत में निकल जाते हैं तब सूखा मुरम डालकर कीचड़ पर परत लगवायें। बाड़े से पानी की निकासी की व्यवस्था करें। बाड़ें से पानी की निकासी की व्यवस्था करें। बाड़े में कड़वे नीम, तुलसी की पत्तियां निलगिरी की पत्तियां जलाकर धुआ करें जिससे कीड़ों का प्रकोप कम होगा। बाड़े में कीटनाशी दवा का छिड़काव भी कर सकते हैं।

बैलों को मारपीट न करें। कुछ किसान एक लकड़ी में कील लगाकर उससे उन्हें चुभाते हैं जिससे उनके पार्श्व भाग पर जख्म होते हैं। वहां कीड़े भी लग सकते हैं। अतः वहां जंतुनाशक घोल से जख्म साफ कर मरहम लगवायें। कुछ परेशानी होने पर, अत्यधिक थकान के कारण बैल कार्य करते वक्त रुक सकता हैं। अतः उक्त कारण का पता लगाकर उसे दूर करने का प्रयास करें।

बैल किसान का मित्र हैं अतः उसकी उपरोक्त लिखित अनुसार देखभाल एवं प्रबंधन करें तो वह स्वस्थ एवं निरोग रहेगा। उसकी कार्यक्षमता बरकरार रहेगी और वह अच्छी तरह कार्य का निष्पादन अच्छी तरह कर पायेगा।

पोषण प्रबंधन

बैल मेहनती कार्य करते हैं अतः उनकी ऊर्जा, प्रोटीन तथा खनिज लवणों की आवश्यकताएं पूर्ण होना जरुरी हैं। इसके लिए उन्हें पौष्टिक तथा आहार उनके कार्य अनुसार खिलाना चाहिए। अगर बैल साधारण कम मेहनती कार्य कर रहा है तो उसे 5 किलोग्राम चारे की कुट्टी, 20 किलो हरा चारा तथा 2 से 3 किलोग्राम खुराक प्रतिदिन खिलायें। अगर वह ज्यादा कठोर परिश्रम कर रहा है तो उसे 10 किलो चारे की कुट्टी, 25 किलो हरा चारा जिसमें बरसीम या ल्यूसर्न या अन्य कोई फलीहारी वनस्पति का चारा जो प्रोटीनयुक्त, पौष्टिक होता हैं खिलाना चाहिए। इसके अलावा उनके आहार में प्रतिदिन 50 से 60 ग्राम सादा नमक तथा 50 से 60 ग्राम खनिज मिश्रण होना चाहिए। उन्हें भरपेट वांछित मात्रा में पानी पिलावें। गर्मियों में पानी पिलाने से पहले थोड़ा गुड़ खिलावें।

कीटों से बचाएं तोरिया

पौध संरक्षण अर्थात् फसल सुरक्षा

तोरिया में लगभग एक दर्जन कीट एवं रोग हानि पहुंचाते हैं उनमें प्रमुख हैं। माहो, आरा मक्खी, पेंटेडबग और दीमक तथा रोगों में व्हाइट रस्ट अर्थात सफेद रतुआ, आल्टरनेरिया ब्लाइट अर्थात झुलसा रोग, डाउनी मिल्ड्यू और पाउडरी मिल्डयू प्रमुख है।

माहो

तोरिया में सबसे अधिक हानि इस कीट द्वारा होती है। इसकी संख्या में वृद्धि नम एवं बदली वाले मौसम में होती है। यह कीट बहुत छोटा लगभग तारामीरा के दाने जैसा हरे रंग का होता है। कीट कोशिकाओं का रस चूसते हैं। जिससे पौधों का विकास रुक जाता है एवं फलियां सिकुड़ने लगती हैं। इसके बचाव के लिए फसल की बोनी अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में करें। इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 1 मिली मात्रा प्रति 3 लीटर पानी में या डायमिथियेट 30 ईसी की 2 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

आरा मक्खी

तोरिया का यह कीट प्रारंभिक अवस्था अक्टूबर, नवम्बर में फसलों की पत्तियों को किनारे से खाकर नुकसान पहुंचाता है। इसकी एक खास पहचान यह है कि इसे स्पर्श करने पर शीघ्र ही यह अपने शरीर की कुंडली अर्थात रिंग बना लेता है। इसकी रोकथाम के लिए कार्बोसल्फान 25 ईसी 400 मिली दवा या ऐसीफेट 75 डब्ल्यू पी की 150 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

आल्टरनेरिया ब्लाइट

इसे झुलसा रोग के नाम से भी जानते हैं। इससे तोरिया की उपज में कमी के साथ-साथ तेल की मात्रा भी कम हो जाती है। इस रोग से बचाव के लिए मेटालेक्जिल+मेन्कोजेब (64+8) या मेंकोजेब 75 डब्ल्यू.पी. की 2.5 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें। यह छिड़काव फसल बोने के 40 से 45 दिन से शुरू कर 15 दिन के अंतराल से दो - तीन बार करें।

व्हाइट रस्ट

इस बीमारी को सफेद रतुआ अथवा श्वेत किट्ट भी कहा जाता है। आमतौर पर इस रोग के लक्षण तोरिया की पत्तियों की निचली सतह से शुरू होते हैं। बाद में तने एव फलियों पर भी सफेद रंग के फफोले दिखाई देते हैं या धब्बे गर्म एवं अधिक आर्द्रता वाले अनुकूल मौसम को पाकर बड़े हो जाते हैं और पत्तियों का काफी भाग नष्ट कर देते हैं। इसके नियंत्रण के लिए रिडोमिल की डेढ़ ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर अथवा डाईथेन एम-45 का 0.25 प्रतिशत घोल बनाकर छिड़काव करें।

पाउडरी मिल्ड्यू

इस रोग में तने पत्तियों एवं हरी फलियों पर सफेद चूर्ण जैसी फंफूद दिखाई देती है। इसके नियंत्रण के लिए फसल पर हेक्जाकोनाजोल या डायनोकेप या केराथेन की 1 मिली या घुलनशील गंधक 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

खिल उठेगा गेंदा

पावडरी मिलड्यू

इस बीमारी के कारण पत्तियों, शाखाओं एवं पुष्प कलियों पर सफेद फफूंदी का जमाव होता है। जो बाद में भूरे रंग का हो जाता है। जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है। और अन्ततः पौधा सूख जाता है। इस बीमारी का प्रकोप फरवरी माह से प्रारंभ होता है।

उपचार- रोग की रोकथाम हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

विषाणु रोग (वायरस)

इस बीमारी के प्रकोप से पत्तियों पर हरे रंग का चितकबरा पड़ जाता है। जिससे पत्तियां मुड़ जाती हैं तथा पुष्प बहुत कम या छोटे आकार के लगते हैं। आमतौर पर इसका प्रसारण संपर्क, हाथो, फसल के अवशेषों , कृषि के यंत्रों तथा कीट द्वारा होता है।

उपचार-रोगोर 1 मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। 800 से 1000 लीटर पानी का घोल बनाकर प्रति हेक्टर खड़ी फसल में छिड़काव करें।

गेंदा फसल में निम्नलिखित प्रमुख कीट लगने की संभावना होती है-

माइट (मकड़ी)

गेंदा फसल पर पत्तियों की निचली सतह पर लाल रंग की मकड़ी जाला बनाकर रहते हैं। जो पत्तियों तथा पुष्प कलिकाओं/फूलों से रस चूसते रहते हैं। जिससे पत्तियां पीली पड़कर सूख जाती हैं। तथा पुष्प कलिका खिल नहीं पाती पत्तियों पर बना हुआ जाला पौधे की बढ़वार में बाधक होता है।

उपचार- इसकी रोकथाम हेतु रोगोर 0.3 प्रतिशत या मेलाथियान 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव पत्तियों के दोनों तरफ करें।

बडबोरर (कलिका वेधक)

इस कीट की इल्लियां पुष्प कलिकाओं में छिद्र करके घुस जाती हैं व अन्दर ही अंदर पुष्प की पंखुड़ियों को खा जाती है। जिससे पुष्प खिल नहीं पाते हैं। एवं पुष्पों का बाजार भाव कम हो जाता है।

उपचार- ग्रसित कलिकाओं / पुष्पों को एकत्र करके नष्ट कर दें। इल्लियों को हाथ से पकड़कर नष्ट किया जा सकता है। फसल समाप्त होने पर खेत की गहरी जुताई करके प्यूपा को नष्ट कर दें। फसल पर प्रकोप दिखाई देते ही क्विनालफास 0.7 प्रतिशत का छिड़काव आवश्यकतानुसार करें।

हापर (फुदका)

इस कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों की मुलायम का रस चूसते हैं। फलस्वरुप पत्तियां सिकुड़ जाती है। जो बाद में पीली पड़कर गिर जाती हैं।

उपचार- कीट के नियंत्रण हेतु प्रकाश प्रपंच खेतों में लगायें चाहिए। फसल में कीट का प्रकोप दिखाई देने पर रोगोर/ डेमोक्रान 0.5 प्रतिशत का घोल का छिड़काव 10-15 दिन के अंतर में 2-3 बार करें।

ट्रंप के टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता बढ़ी

टैरिफ के कारण निवेश में कमी और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ (शुल्क) को लेकर आक्रामक आर्थिक नीति कई विरोधाभासी विचारों से भरी है। उनके सलाहकार भी अलग-अलग बातें कर रहे हैं। एक तरफ, उनका कहना है कि दूसरे देश अमेरिका को लूट रहे हैं और उन्हें रोकना जरूरी है। दूसरी तरफ, वे कनाडा, मेक्सिको और चीन के साथ ड्रग्स की लड़ाई की बात कर रहे हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि टैरिफ से देश के 36 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को कम करने में मदद मिलेगी। लेकिन, इन सब बातों के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ट्रंप के टैरिफ का असर दिख रहा है। कनाडा, मेक्सिको और चीन से आने वाले सामानों पर भारी शुल्क लगाने से अनिश्चितता बढ़ गई है। इससे व्यापार में निवेश और लोगों का भरोसा कम हुआ है। शेयर बाजार में भी लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है। इस वजह से फेडरल रिजर्व (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) भी ब्याज दरों को कम करने से हिचकिचा रहा है। वह इंतजार कर रहा है कि ट्रंप आगे क्या कदम उठाते हैं और उसका अर्थव्यवस्था पर क्या असर होता है।

मंदी के लिए भी रेडी

वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने सीबीएस न्यूज से कहा कि ट्रंप के टैरिफ इतने महत्वपूर्ण हैं कि अगर इससे अमेरिका में मंदी भी आ जाए तो भी यह इसके लायक है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी मंदी की संभावना से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगर दूसरे देश अपनी व्यापार बाधाओं को कम करते हैं तो कुछ टैरिफ को कम किया जा सकता है।

ट्रंप और उनके सलाहकार अपनी आर्थिक रणनीति को स्पष्ट करने के बजाय अनिश्चितता को ही अपनी नीति का हिस्सा मान रहे हैं। व्हाइट हाउस के नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के डायरेक्टर केविन हैसेट ने सीएनबीसी पर कहा कि 2 अप्रैल तक कुछ अनिश्चितता रहेगी। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह कारोबारियों को अपनी नीति के बारे में स्पष्ट जानकारी देंगे तो उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कंपनियों को निश्चितता की जरूरत है। उन्होंने फॉक्स न्यूज पर मारिया बार्टिरोमो को बताया कि वह ऐसा कहते हैं, यह कहना अच्छा लगता है। लेकिन, सालों से बड़े वैश्विक खिलाड़ी अमेरिका को लूट रहे हैं। वे अमेरिका से पैसा निकाल रहे हैं। हम सिर्फ कुछ पैसा वापस ले रहे हैं। हम अपने देश के साथ न्याय करेंगे।

मंदी की आशंका से नहीं कयिा जा रहा इनकार- ट्रंप ने मंदी की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। अर्थशास्त्रियों और विश्लेषकों का कहना है कि इस अनिश्चितता के कारण मंदी की आशंका बढ़ सकती है। फेडरल रिजर्व ने भी इस अनिश्चितता पर ध्यान दिया है। उसने ब्याज दरों को स्थिर रखा है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए ज्यादा महंगाई और धीमी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि अनिश्चितता बहुत ज्यादा है। रेटिंग एजेंसी फिच ने चेतावनी दी है कि ट्रंप की ओर से शुरू किए गए वैश्विक व्यापार युद्ध से वैश्विक विकास कम होगा। अमेरिकी उत्पादन धीमा होगा। साथ ही, कीमतें बढ़ेंगी और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती में देरी होगी।

अप्रत्याशित बने रहना चाहते हैं ट्रंप

इस अनिश्चितता का मुख्य कारण यह है कि ट्रंप टैरिफ को व्यापार में सुधार के बजाय नीतिगत मुद्दों को सुलझाने के लिए एक हथियार के रूप में देखते हैं। वह अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित बने रहना चाहते हैं। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष नवीन गिरिशंकर ने कहा कि ट्रंप 2.0 की शुरुआत में रणनीतिक तालमेल और प्रभावी समन्वय की कमी है। इस वजह से नीति में अस्थिरता आ रही है, जिसका असर वित्तीय बाजारों और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इन्वेस्टमेंट फर्म वेदा पार्टनर्स की आर्थिक नीति निदेशक हेनरिटा ट्रेज ने कहा कि सांसदों को उम्मीद है कि टैरिफ सिर्फ एक बातचीत की रणनीति है। जब इस बारे में निश्चितता होगी तो बाजार शांत हो जाएंगे। हालांकि, निवेशकों को अभी भी डर लग रहा है। कैपिटल हिल पर यह राय बन रही है कि 1 अप्रैल के बाद निश्चितता आ जाएगी और बाजार शांत हो जाएंगे। लेकिन, ज्यादातर निवेशकों को ऐसा नहीं लगता। वे मानते हैं कि अनिश्चितता से निकट भविष्य में अस्थिरता आएगी। इसका अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। ट्रंप ने अपनी बातचीत की रणनीति के तहत टैरिफ को कम करने या हटाने की इच्छा दिखाई है। लेकिन, यह स्पष्ट नहीं है कि बाजार की प्रतिक्रिया से उनके फैसलों पर कोई असर पड़ा है। उनके शीर्ष आर्थिक सलाहकार भी उनकी नीतियों को बदलने के लिए तैयार नहीं दिखते हैं।

महारत्न कंपनी आरईसी लिमिटेड लगातार दूसरे कंपनी ट्रेड करने जा रही है पूर्व लाभांश

नई दिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी आरईसी लिमिटेड ने एक बार फिर से डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी 40वीं बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रही है। कंपनी इसी हफ्ते फिर से एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रही हैं। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 428.85 रुपये के लेवल पर था।

2 दिन के बाद कंपनी करेगी एक्स-डिविडेंड ट्रेड- सरकारी कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि एक शेयर पर 3.60 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 26 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। कंपनी इससे पहले 14 फरवरी को एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 4.30 रुपये का डिविडेंड कंपनी ने दिया था। बता दें, 2024 में कंपनी 4 बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था।

2 बार कंपनी ने दिया था बोनस शेयर- कंपनी ने पहली बार बोनस शेयर 2016 में दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। दूसरी बार कंपनी 2022 में एक्स-बोनस ट्रेड किया था। तब कंपनी ने 3 शेयर पर 1 बोनस दिया था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है- बीते एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद 2025 में भी कंपनी के शेयरों का भाव 15

1700 के पार जाएगा वोल्टास लिमिटेड का शेयर! गर्मी के मौसम बढ़ सकती है चमक

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में तूफानी तेजी के बीच बीते शुक्रवार को कुछ कंपनियों के शेयर सुस्त नजर आए। ऐसा ही एक शेयर टाटा ग्रुप की कंपनी- वोल्टास लिमिटेड का था। हालांकि, गर्मी के मौसम को देखते हुए वोल्टास लिमिटेड के शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। आइए शेयर का टारगेट प्राइस जान लेते हैं।

शेयर का टारगेट प्राइस- घरेलू ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल ने वोल्टास के शेयर के लिए 1,710 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। इसके साथ ही खरीदें रेटिंग दी है। इस शेयर के लिए नुवामा ने 1810 रुपये 1779 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है। इसके अलावा प्रभुदास लीलाधर ने वोल्टास के शेयर का टारगेट प्राइस 1593 रुपये पर बरकरार रखा है।

बता दें कि शुक्रवार को इस कंपनी का शेयर 1429.70 रुपये पर था। मार्च 2024 में यह शेयर 1,048.70 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। सितंबर 2024 में शेयर की कीमत 1,946.20 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

दिसंबर तिमाही में वोल्टास का नेट प्रॉफिट 130.8 करोड़ रहा। परिचालन से राजस्व 18.3 प्रतिशत बढ़कर 3105 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2625 करोड़ था।

डीएमके सरकार के आरोपों के बीच, वित्त मंत्री का बयान- पीएलआई योजना के तहत तमिलनाडु को मिला बड़ा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु की डीएमके सरकार तीन भाषा नीति और परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर हमलावर है। डीएमके सरकार का कहना है कि केंद्र द्वारा राज्य की अनदेखी की जा रही है। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बड़ा बयान सामने आया है। वित्त मंत्री ने बताया है कि केंद्र सरकार की पीएलआई योजना के तहत तमिलनाडु को बड़ा फायदा मिला है और इलेक्ट्रोनिक्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के बड़े प्रोजेक्ट राज्य को मिले हैं। चेन्नई में शनिवार की शाम को चेन्नई सिटिजन फोरम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने तमिलनाडु सरकार द्वारा केंद्र सरकार पर फंडिंग के मामले में राज्य की अनदेखी करने के आरोपों पर कहा कि तमिलनाडु, पीएलआई योजना के सबसे बड़े लाभार्थी राज्यों में से एक है। केंद्र सरकार ने पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रोनिक्स पार्ट्स बनाने वाली और ऑटोमोबाइल सेक्टर की 27 कंपनियों को मंजूरी दी थी, इनमें से सात कंपनियां तमिलनाडु की हैं।

वित्त मंत्री ने बिना किसी का नाम लिए राज्य सरकार के उन दावों को खारिज कर दिया कि उन्हें केंद्र से केंद्रीय कर में बेहद कम हिस्सा मिला है। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि राज्य सरकार ने किस गणना के आधार पर यह बात कही है, लेकिन मैं इतना कह सकती हूं कि बीते 10 वर्षों में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से राज्य को काफी फायदा हुआ है।

शेयर मार्केट में रिस्क बढ़ा है... सेबी चेयरमैन ने ट्रेडर्स को किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार को रेग्युलेट करने वाले संस्था सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने निवेशकों को अलर्ट किया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबली कुछ कारण हैं जिनकी वजह से बाजार में जोखिम बढ़ गया है। तुहिन कांत पांडे पांडे ने कहा- जहां तक जोखिम का सवाल है, मुझे लगता है कि यह सामान्य बाजार जोखिम है। निश्चित रूप से वैश्विक, भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक कारणों से जोखिम बढ़ा हुआ है। उन्होंने मौजूदा बाजार अनिश्चितताओं की उत्पत्ति को कोविड-19 महामारी से जोड़कर देखा। उन्होंने निवेशकों को सलाह देते हुए कहा कि आपको ऋण और इक्विटी आदि के बीच संतुलन बनाना होगा। सेबी चेयरपर्सन ने भारत के पूंजी बाजार के इंफ्रा में विश्वास व्यक्त किया और इसे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया। इन चुनौतियों के बावजूद पांडे ने कहा कि देश इन मुद्दों को कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने वैश्विक अनिश्चितता के लिए रणनीतिक प्रतिक्रियाओं के उदाहरणों के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर बातचीत करने और विभिन्न अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने के भारत के प्रयासों की ओर इशारा किया।

केंद्र सरकार ने प्याज निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क वापस लिया, आदेश 1 अप्रैल से होगा प्रभावी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात पर लगाए गए 20 फीसदी शुल्क को हटाने का फैसला किया। यह शुल्क सितंबर 2024 में लगाया गया था। यह निर्णय एक अप्रैल 2025 से प्रभावी होगा। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुरोध पर राजस्व विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 8 दिसंबर 2023 से 3 मई 2024 तक लगभग पांच महीने तक निर्यात पर नियंत्रण रखा था। इस दौरान निर्यात शुल्क, न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) और निर्यात प्रतिबंध जैसी नीतियों को लागू किया गया था।

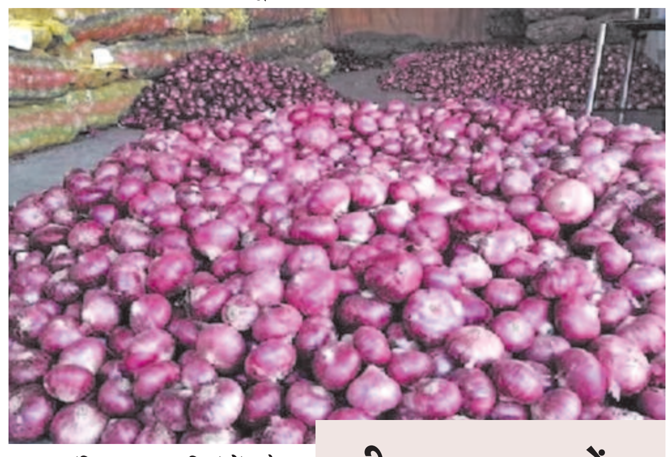

हालांकि, इन प्रतिबंधों के बावजूद 2023-24 में कुल 17.17 लाख टन और 2024-25 (18 मार्च तक) में 11.65 लाख टन प्याज का निर्यात हुआ। सितंबर 2024 में निर्यात मात्रा 0.72 लाख टन थी, जो जनवरी 2025 तक बढ़कर 1.85 लाख टन हो गई। सरकार ने कहा, यह निर्णय सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने और उपभोक्ताओं के लिए प्याज को सुलभ बनाए रखने का संतुलन रखा गया है। रबी फसल की अच्छी आवक के चलते मंडी और खुदरा कीमतों में नरमी आई है। हालांकि, मौजूदा मंडी कीमतें पिछले वर्षों की इसी अवधि के स्तर से ऊपर हैं, फिर भी अखिल भारतीय भारित औसत मॉडल कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। इसी तरह, पिछले एक महीने में अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रबी प्याज उत्पादन में 18 प्रतिशत की वृद्धि

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अनुमान के मुताबिक, इस साल रबी उत्पादन 227 लाख मीट्रिक टन रहेगा, जो पिछले साल के 192 लाख टन से 18 प्रतिशत अधिक है। रबी प्याज भारत के कुल उत्पादन का 70-75 प्रतिशत होता है, जो अक्टूबर-नवंबर में खरीफ फसल आने तक कीमतों को स्थिर बनाए रखने में मदद करता है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि इस वर्ष अनुमानित उच्च उत्पादन से आने वाले महीनों में बाजार मूल्य और घटने की संभावना है।

प्याज की कीमतों में गिरावट

अखिल भारतीय औसत मॉडल कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले एक महीने में खुदरा प्याज कीमतों में 10 प्रतिशत की कमी आई है।

धर्मार्थ ट्रस्ट के सदस्यों पर लगे वित्तीय अनियमितता के आरोप, अदालत ने नियुक्त किए 11 नए ट्रस्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। ठाणे के एक धर्मार्थ ट्रस्ट के पुराने ट्रस्टियों पर ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितता करने और प्रशासनिक खामियां करने का आरोप लगा है। इसके बाद ठाणे की एक अदालत ने पिछले ट्रस्टियों को फिर से नियुक्त करने से इनकार कर दिया और 11 नए ट्रस्टियों को नियुक्त किया है।

भिवंडी के जिला न्यायाधीश एनके करांडे ने कहा कि ट्रस्ट के प्रशासन और विकास के लिए भीमेश्वर सदगुरु नित्यानंद संस्था के नए ट्रस्टियों की नियुक्ति जरूरी है। अदालत ने फैसला सुनाया कि मौजूदा ट्रस्टियों के खिलाफ जांच चल रही है और उन्होंने प्रशासनिक खामियां की हैं। भीमेश्वर सदगुरु नित्यानंद संस्था गणेशपुरी बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के तहत एक पंजीकृत धर्मार्थ ट्रस्ट है। यहां ट्रस्टियों को पांच साल के लिए नियुक्त

किया जाता है। कार्यकाल समाप्त होने पर जिला न्यायालय द्वारा नई नियुक्तियां की जाती हैं।

पिछले ट्रस्टियों को 2016 में पांच साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 16 नवंबर 2021 को समाप्त हो गया। नियुक्ति प्रक्रिया में देरी और वित्तीय अनियमितताओं के कई आरोपों के कारण मुकदमेबाजी चलने से नए सदस्यों की नियुक्ति नहीं हो सकी। कई ट्रस्टियों के खिलाफ वित्तीय कुप्रबंधन समेत कई शिकायतें मिलीं। चैरिटी कमिश्नर की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ ट्रस्टियों के खिलाफ चल रही अनियमितता, अनादर, कदाचार की शिकायतों की जांच चल रही है। वहीं ग्रामीणों, ट्रस्ट कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने भी ट्रस्ट प्रशासन और आर्थिक लेन-देन पर चिंता जताई थी। कई ट्रस्टी वर्ष 2019-2020 और 2020-21 के लिए ऑडिट रिपोर्ट और वित्तीय खाते जमा करने में भी विफल रहे। इसके बाद कोर्ट ने माना कि ट्रस्ट के प्रभावी प्रशासन और विकास के लिए नए ट्रस्टियों की नियुक्ति की आवश्यकता है। कोर्ट ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी करके ट्रस्टी बनने के लिए आवेदन मांगे।

जिसने देखा देखता रह गया... 46,000 रुपये में बिका अंडा

नई दिल्ली, एजेंसी। अंडे के शौकीनों के लिए दिलचस्प खबर है। हाल ही में नीलामी में एक अंडा 420 पाउंड (लगभग 46,000 रुपये) में बिका। इसकी खासियत है कि यह बिलकुल गोल अंडा है। इंग्लैंड में समरसेट और डेवोन सीमा के पास फेंटन फार्म में एक एग हैंडलर एलिसन ग्रीन को पिछले साल दिसंबर में एक अनोखा अंडा मिला। अपने करियर में 4.2 करोड़ से ज्यादा अंडे संभालने के बाद उन्होंने कभी भी ऐसा गोलाकार अंडा नहीं देखा था। बीबीसी के अनुसार, इस अंडे की नीलामी की गई और इससे मिली रकम एक चैरिटी को दी गई।

एलिसन ग्रीन को यह अंडा फेंटन फार्म में मिला। उन्होंने अपने करियर में पहली बार ऐसा अंडा देखा था। यह अंडा बिलकुल गोल था। बीबीसी के अनुसार, इस अंडे को नीलामी में 420 पाउंड में बेचा गया। नीलामी से मिली रकम डेवोन रेप क्राइसिस को दान कर दी गई। यह संस्था यौन हिंसा और दुर्व्यवहार से पीड़ित लोगों की मदद करती है।

एलिसन ग्रीन ने द गार्जियन को दिए इंटरव्यू में कहा, यह बहुत आश्चर्यजनक था क्योंकि अंडे एक खास तरीके से लुढ़कते हैं और यह अंडा बिलकुल अलग था - यह बस अलग दिख रहा था। अब यह ऐसी चीज है जो किसी और के पास नहीं है।

शौक बड़ी चीज है... फूलों से प्यार करती है मणिपुर की महिला खुन्द्रकपम रानी , कर रही लाखों रुपये की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। शौक बड़ी चीज है। इस बात को हम कई बार सुन और पढ़ चुके हैं। लेकिन किसी शौक को अगर कारोबार में बदल दें तो सोने पर सुहागा हो जाता है। ऐसा ही कुछ किया है मणिपुर की रहने वाली खुन्द्रकपम रानी ने। खुन्द्रकपम को फूलों से काफी प्यार था। उन्होंने उसे ही अपना पेशा बना लिया। आज वह अपने इस कारोबार से लाखों रुपये महीने कमाती हैं।

मणिपुर में कई तरह के फूल पाए जाते हैं। यहां गोम्फ्रेना से लेकर गुलाब तक कई सुंदर फूल हैं। ये फूल न केवल इस जगह की सुंदरता बढ़ाते हैं बल्कि यहां के लोगों की रोजी-रोटी में भी मदद करते हैं। ऐसी ही एक उद्यमी हैं 27 साल की खुन्द्रकपम रानी। वह इंफाल पश्चिम जिले के तेरा लुकरम लीराक की रहने वाली हैं। उन्होंने फूलों के प्रति अपने शौक को एक सफल व्यवसाय में बदल दिया है।

फूलों से बेहद लगाव- रानी फूलों के बीच पली-बढ़ी हैं। इसलिए उन्हें फूलों

से बहुत प्यार है। खासकर उनके परिवार के बगीचे में लगे फूलों से। रानी याद करते हुए कहती हैं, मुझे हमेशा से फूल पसंद थे। हमारे बगीचे में बहुत सारे सुंदर फूल थे। ताजे फूलों को देखकर मुझे बहुत खुशी होती थी, लेकिन उन्हें तोड़ने के बाद मुरझाते हुए देखकर मुझे दुख होता था। फूलों के प्रति बचपन के इस आकर्षण और उनकी मां के बागवानी के शौक ने उनके व्यवसाय की नींव रखी।

कैसे शुरू किया कारोबार- रानी की मां खुन्द्रकपम नंदरानी बताती हैं कि उन्होंने साथ मिलकर कई तरह के फूल उगाए। उनके बगीचे में गोम्फ्रेना, डहलिया, गुलाब, सेलोसिया, हेलिक्रीसम, गुलदाउदी और पोर्टुलाका जैसे फूल थे। नंदरानी बताती हैं, हम घंटों फूलों की देखभाल करते थे। मैं अपनी बेटी को उनकी सुंदरता पर मोहित होते हुए देखती थी। रानी ने मणिपुर विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की। फूलों के प्रति उनके प्यार ने उन्हें पौधों के बारे में और जानने की इच्छा पैदा की।

शुरू किया अपना ब्रांड- लॉकडाउन लगने के कारण उनके पास करने के लिए कुछ खास नहीं था। इसलिए वह ज्यादातर समय सोशल मीडिया पर बिताती थीं। उन्होंने देखा कि कई लोग अपने शौक को सफल व्यवसाय में बदल रहे हैं। इससे उन्हें भी कुछ करने की प्रेरणा मिली। वह कहती हैं, मैंने सोचा कि क्यों न मैं अपने प्यारे जंगली फूलों का इस्तेमाल करके कुछ सुंदर और टिकाऊ बनाऊं इस तरह दिसंबर 2020 में ड्राई ब्लूम नाम से उन्होंने अपना ब्रांड शुरू किया। इनका यह ब्रांड कई तरह के बुके समेत फूलों के कई प्रोडक्ट बेचता

सालाना कितनी है कमाई

शुरुआती वर्षों में अपनी मास्टर डिग्री के तीसरे वर्ष के साथ-साथ अपने व्यवसाय को संभालते हुए रानी ने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी दूर तक आएंगी। आज मणिपुर में हाल ही में हुई अशांति के कारण हुई बाधाओं के बावजूद ड्राई ब्लूम का सालाना रेवेन्यू करीब 24 लाख रुपये है।

रानी बताती हैं, हमें अशांति के दौरान भारी नुकसान हुआ, जिससे कमाई 50,000 रुपये तक गिर गई। लेकिन हम धीरे-धीरे अपने पैरों पर वापस आ रहे हैं। जैसे-जैसे व्यवसाय फला-फूला, ड्राई ब्लूम मणिपुर से आगे बढ़कर पूरे भारत में प्रोडक्ट की शिपिंग करने लगा। 5 साल पहले स्थानीय लोगों के लिए एक छोटे से उद्यम के रूप में शुरू हुआ यह व्यवसाय अब दिल्ली, बेंगलुरु, मेघालय, नागालैंड और आंध्र प्रदेश में ग्राहकों तक पहुंच गया है।

सुनील नरेन ने पहले ही मैच में केकेआर के लिए पूरा कर लिया शतक, खास क्लब में हुए शामिल

- केकेआर के लिए दो ही खिलाड़ियों ने जमाए शतक - केकेआर के लिए सबसे ज्यादा छक्के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के नाम हैं। उन्होंने 206 छक्के लगाए हैं। वहीं केकेआर के कप्तान रह चुके नितीश राणा के नाम 107 छक्के हैं। नरेन तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने केकेआर के लिए 100 छक्के लगाए हैं। रॉबिन उथप्पा और यूसुफ पठान इस फ्रैंचाइजी के लिए खेलते हुए 85-85 छक्के लगा चुके हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 सीजन के पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स का आरसीबी से सामना हुआ। आरसीबी ने यह मैच अपने नाम किए लेकिन केकेआर के सुनील नरेन के लिए यह मुकाबला खास साबित हुआ। उन्होंने इस मुकाबले में अपने आईपीएल करियर का अहम शतक लगाया और एलीट क्लब में शामिल हो गए।

सुनील नरेन की शानदार पारी

सुनील नरेन ने केकेआर के लिए 26 गेंदों में 44 रन बनाए। उन्होंने रहाणे के साथ साथ दूसरे विकेट के लिए 10 रन प्रति ओवर से अधिक की गति से 55 गेंद में 103 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। इस पारी में तीन छक्के और पांच चौके जमाए। इन तीन छक्कों के साथ नरेन के लिए केकेआर के लिए 100 छक्के भी पूरे हो गए। अपने इस प्रदर्शन के साथ वह टीम के खास क्लब में शामिल हो गए।

मैं गिनीज बुक में तेरी एंट्री करवा दूंगा...

वीरेंद्र सहवाग पर क्यों भड़क गए शोएब अख्तर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में शोएब अख्तर पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के बारे में बात कर रहे हैं. शोएब अख्तर कह रहे हैं कि हां जी, एक वीडियो देखा है वीरू पाजी का. यार तंग आ गया हूं उसकी बातें सुन-सुन कर. एक ही टेप 20 साल से चला रहा है. 300, 300, 300... अरे भाई मैं भी वहीं था, जब तूने 300 किया है, मैं भी देख रहा था, पूरा पाकिस्तान भी देख रहा था. बहुत अच्छा खेला था, बहुत ही टॉप क्लास खेला था.

तुझे पता है ना मेरा रिलेशनशिप हैं वहां पर...

शोएब अख्तर आगे कह रहे हैं कि बस कर, अगर तुझे

अगर तुझे गिनीज बुक में एंट्री चाहिए ना 300 की तो मैं सीधे करवा सकता हूं. तुझे पता है ना मेरा रिलेशनशिप हैं वहां पर. तेरी एंट्री मैं करवा सकता हूं. दुनिया में सबसे ज्यादा 300-300 का जिक्र करने वाला वीरेन्द्र सहवाग... और देख अगर तुझे चाहिए गिनीज बुक में एंट्री कराने के लिए तो अपने से बात कर भाई, क्योंकि अपने पास एक असली रिकॉर्ड है. तू जानता है ना कौन सा... बहरहाल, सोशल मीडिया पर शोएब अख्तर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. बताते चलें कि भारतीय टीम तकरीबन 21 साल पहले पाकिस्तान के दौरे पर गई थी. उस दौरे पर भारत और पाकिस्तान के बीच 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली गई थी. इस सीरीज का पहला टेस्ट मुल्तान में खेला गया था. उस टेस्ट में वीरेंद्र सहवाग ने 309 रन बनाए थे. उन्होंने अपनी इनिंग में 39 चौके और 6 छक्के जड़े थे. वहीं, भारतीय टीम ने पहली पारी में 5 विकेट पर 675 रनों का स्कोर बनाया था. साथ ही राहुल द्रविड़ की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने पाकिस्तान को इनिंग और 52 रनों से हराया था ।

जिम्नास्ट प्रणति नायक का शानदार प्रदर्शन

एफआईजी विश्व कप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने शनिवार को तुर्की के अंताल्या में एफआईजी कलात्मक जिम्नास्टिक एपरेट्स विश्व कप के वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक हासिल किया। टोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली 29 वर्षीय प्रणति ने वॉल्ट फाइनल में कुल 13.417 का स्कोर बनाया तथा जयला हैंग (13.667) और क्लेयर पीज (13.567) की अमेरिकी जोड़ी के पीछे तीसरे स्थान पर रहीं। प्रणति ने वॉल्ट क्वालिफिकेशन में 13.317 का स्कोर बनाया था। उन्होंने कहा, साल की शुरुआत पदक के साथ करना शानदार अहसास है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। मैंने पिछले साल भी जीत हासिल की थी, इसलिए मैं वाकई बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, मेरी नजरें अब एशिया चैंपियनशिप और विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने पर हैं, यही इस साल का लक्ष्य है। प्रणति ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले काहिरा में एफआईजी अपैरटस विश्व कप की महिला वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2019 (उलनबटेर) और 2022 (दोहा) में एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट कांस्य पदक भी जीते। प्रणति वॉल्ट में अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय जिमनास्ट हैं, उनसे पहले दीपा करमाकर (2018 मर्सिन गोल्ड, 2018 कॉटबस कांस्य) और अरुणा रेड्डी (2018 मेलबर्न में विश्व कप) ने पदक जीता है। उन्होंने 2014 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के साथ-साथ 2014 और 2018 एशियाई खेलों में भी भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने 2014, 2017 और 2019 विश्व चैंपियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व किया।

आईपीएल 2025:

हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

ईशान ने सीजन का पहला शतक बनाया

हैदराबाद, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद ने IPL-18 के दूसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 287 रन का टारगेट दिया। राजस्थान ने हैदराबाद के खिलाफ टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। हैदराबाद ने 6 विकेट पर 286 रन बनाए। यह आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड (287 रन) हैदराबाद के नाम ही है। हैदराबाद से ईशान किशन ने 106 रन की शतकीय पारी खेली। ट्रैविस हेड ने 31 बॉल पर 67 रन बनाए। हेनरिक क्लासन 34 रन, नीतीश कुमार रेड्डी 30 रन और अभिषेक शर्मा 24 रन बनाकर आउट हुए। राजस्थान के तुषार देशपांडे ने 3 विकेट झटके। महीश तीक्षणा ने 2 और संदीप शर्मा ने एक विकेट लिए।

आईपीएल 2025:

कोहली के अर्धशतक के सेलीब्रेशन के बीच मैदान में आ घुसा फैन, पैरों में गिरा, कोहली ने लगाया गले

कोलकाता, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 का आगाज जीत के साथ करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के बीच विराट कोहली की फैन फॉलोइंग ने एक बार फिर सबको हैरान कर दिया जब एक फैन कोहली के अर्धशतक के बाद तारों के उपर से निकलते हुए सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में पहुंचा और उनके पैरों में जा गिरा। कोलकाता से मिले 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने 12.5 ओवर में हर्षित राणा की गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। कोहली अर्धशतक का जश्न मना रहे थे कि उनका एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में आ गया और कोहली के पांव में आ गिरा। इसके बाद कोहली के कहने पर उठा और कोहली ने फैन को गले लगाया जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उसे मैदान से बाहर कर दिया। कोहली ने जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 36 गेंदों पर नाबाद 59 रन बनाकर टीम का नेतृत्व किया। आरसीबी ने 175 रनों के लक्ष्य को केवल 16.2 ओवर में सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। कोहली के अलावा फिल सॉल्ट ने भी (56) अर्धशतकीय पारी खेली जबकि रजत पाटीदार ने 16 गेंदों पर 34 रन बनाए।

टीबी मुक्त भारत के लिए नेता और अभिनेता के बीच खेला गया टी-20 मैच

मुंबई, एजेंसी। भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने टीबी मुक्त भारत जागरूकता अभियान के लिए मुंबई के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में राजनेताओं और अभिनेताओं के बीच एक टी-20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया। इस पहल की सराहना करते हुए, अर्जुन कपूर ने कहा कि चूंकि आईपीएल अभी शुरू हुआ है, इसलिए यूसुफ पठान को भी खेलने का मन कर रहा है। 2 स्टेट्स के अभिनेता ने साझा किया कि उन्हें स्टेडियम से बाहर गेंद मारते हुए देखना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, मनोरंजन, राजनीति और खेल किसी भी तरह का संदेश पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण आधार हैं। इसलिए, यह बहुत अच्छा लगता है कि हम सभी ऐसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए एक साथ आ सकते हैं। इसके अलावा, अभिनेता अर्जुन रामपाल ने कहा, मुझे लगता है कि यह पहल बहुत अच्छी है। यह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है। अनुराग ठाकुर ने मुझे बताया कि हमारी 28 फीसदी आबादी टीबी का शिकार हो

गई है। इसलिए, इस बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि यह संदेश सभी तक पहुंचेगा और हम 2025 तक टीबी मुक्त भारत के सपने को साकार करने में सक्षम होंगे। इसके अलावा, अभिनेता राजपाल यादव ने कहा कि रोग मुक्त होने के लिए फिटनेस बेहद जरूरी है। फिट रहने के लिए खेल एक बहुत प्रभावी तरीका है। अभिनेता डिनो मोरिया ने कहा, देश के तीन सबसे प्रिय क्षेत्र- मनोरंजन, क्रिकेट और राजनीति देश से टीबी को मिटाने की पहल का समर्थन करने के लिए एक साथ आए हैं। टीबी एक बहुत ही गंभीर बीमारी है और अगर हम इस मैच के माध्यम से देश से इस बीमारी को मिटाने का संदेश देने में सक्षम हैं तो यह एक बड़ी पहल होगी। यह मैच अनुराग ठाकुर की अगुआई वाली लीडर्स इलेवन और सुनील शेट्टी की कप्तानी वाली एक्टर्स इलेवन के बीच खेला गया। इस मैच में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अभिनेता सलमान खान, सांसद सुप्रिया सुले, अरविंद सावंत और पूर्व सांसद प्रीतम मुंडे भी शामिल थे।

जिला स्तरीय अंडर 7 शतरंज प्रतियोगिता में दिविशा और मेदांश बने चैंपियन

जोधपुर, एजेंसी। सरदारपुरा स्थित गुलाबदास जगन्नाथ धूत स्मृति भवन में एडहॉक समिति, जोधपुर जिला शतरंज संघ द्वारा जोधाणा शतरंज अकादमी के सहयोग से आयोजित अंडर 7 वर्ग शतरंज प्रतियोगिता संपन्न हुई। बालक वर्ग में चार चक्र तथा बालिका वर्ग में तीन चक्रों में मुकाबले पूर्ण हुए। बालक वर्ग में मेदांश धाणदिया 4 में से 4 अंक प्राप्त कर विजेता बने जबकि बालिका वर्ग में दिविशा राठी चैंपियन बनी। बालक वर्ग में द्वितीय स्थान पर्व गट्टानी एवं तृतीय स्थान पर दुआशं भाटी, चौथे पर अर्श राव रहे। बालिका वर्ग में वाणी बिड़ला उप विजेता बनी।

तदर्थ समिति के संयोजक संजय पारख ने बताया कि चुने गए खिलाड़ी राज्य स्तरीय अंडर 7 प्रतियोगिता में जोधपुर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक डॉ जयमल सिंह राठौड़ ने स्विस पद्धति से मुकाबले पूर्ण करवाए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोटेरियन विजय चौधरी, तथा

विशिष्ठ अतिथि दिनेश गौड़ उपस्थित थे। आयोजन सचिव मोहम्मद आरिफ ने अतिथियों का स्वागत किया। विरेंद्र हरखानी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

न्यूजीलैंड-पाकिस्तान

पाकिस्तान के नाम एक और फजीहत टी20 सीरीज भी हाथ से निकली

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद शानदार आगाज किया है। पाकिस्तान के खिलाफ खेली जा रही 5 टी20 मैचों की सीरीज में उन्हें 3-1 की अजेय बढ़त हासिल हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने माउंट माउंगानुई के बे ओवल में पहले खेलते हुए सीफर्ट के 44, फिन ऐलन के 50, कप्तान माइकल ब्रेसवेल के 46 रनों की बदौलत 220 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान 105 रन ही बना पाई। ऐसी उम्मीद थी कि पाकिस्तान यह मैच जीतकर सीरीज को 2-2 की बराबरी पर लाएगी ताकि पांचवां मुकाबला निर्णायक हो। लेकिन पाकिस्तान की टीम चौथे टी20 में घुटने टेक गई।

न्यूजीलैंड: 220/6 (20 ओवर)

फिन एलन और टिम सीफर्ट एक बार फिर से ओपनिंग पर आए और अपनी टीम को उम्मीद मुताबिक शुरूआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 4.1 ओवर में ही 59 रन जोड़ दिए। सीफर्ट ने 22 गेंदों पर 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 44 रन बनाए। फिन ने 20 गेंदों पर 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। चापमैन ने 16 गेंदों पर 24 रन बनाए। वह हारिस रऊफ की गेंद पर बोल्ड हुए। डेरिल मिचेल ने एक छोर संभाला और 23 गेंदों पर 29 रन बनाए। कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 46 रन बनाए और स्कोर 6 विकेट पर 220 तक पहुंचा दिया। पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने 27 रन देकर 3 विकेट लीं।

पाकिस्तान: 105/10 (16.2 ओवर)

हसन नवाज जिन्होंने पिछले मैच में शतक बनाया था। इस पर एक रन बनाकर जैकब डफी का शिकार हो गए। मोहम्मद हारिस 2 तो कप्तान सलमान अली आगा 1 ही रन बना पाए। 9 रन पर 3 विकेट गिर जाने के बाद इरफान खान ने एक छोर संभाला। इस दौरान शादाब खान 1 तो खुशदिल शाह 6 रन बनाकर आउट हो गए। अब्दुल समद ने एक छोर संभाला लेकिन पाकिस्तान का टेल एंडर साथ छोड़ता गया। आखिरकार पाकिस्तान की पूरी टीम 105 रन पर ऑलआऊट हो गई। न्यूजीलैंड के लिए जैकब डफी ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट लिए।

अनन्या और माधवन संग 'केसरी चैप्टर 2' में दिखेंगे अक्षय

अभिनेता अक्षय कुमार की देशभक्ति से लबरेज फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' की रिलीज डेट का खुलासा हो चुका है। अभिनेत्री अनन्या पांडे और आर. माधवन स्टारर फिल्म 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दर्शकों को जानकारी दी।

अक्षय ने इंस्टाग्राम पर अपकमिंग फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया और बताया कि टीजर 24 मार्च को रिलीज होगा। मोशन पोस्टर में खून से सनी ईंट की दीवार है, जिस पर गोलियों के निशान हैं और लिखा है साहस में रंगी क्रांतिज्केसरी चैप्टर 2। मोशन पोस्टर में गोलियों की तड़तड़ाहट सुनी जा सकती है। अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, कुछ लड़ाइयां हथियारों से नहीं लड़ी जाती। 'केसरी चैप्टर 2' का टीजर 24 मार्च को आएगा। फिल्म 18 अप्रैल को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अक्षय कुमार ने शुक्रवार को साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म केसरी के छह साल पूरे होने का जश्न मनाया था। अक्षय ने इंस्टाग्राम पर केसरी की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिस पर लिखा था, 6 साल पहले... साहस की एक कहानी ने देश को झकझोर कर रख दिया था। इसमें आगे कहा गया, हजारों अफगानों के खिलाफ 21 सिख। संख्या में कम, घिरे हुए लेकिन साहस के साथ आगे बढ़े और पराजित नहीं हुए। वे शेरों की तरह लड़े और लीजेंड बन गए। इतिहास ने एक अध्याय लिखाज अब, हम अगला बताते हैं। नई जंग उसी तपिश के साथ सामने होगा, भगवा फिर लहराएगा। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, केसरी के 6 साल पूरे होने का जश्न। केसरी की भावना का जश्न। शुरू होने वाले एक नए अध्याय का जश्न। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म में अक्षय कुमार के साथ परिणीति चोपड़ा भी नजर आई थीं। 'केसरी' में सारागढ़ी किले की कहानी दर्शायी गई थी, जिसमें 1897 में ब्रिटिश भारतीय सेना की 36वीं सिख रेजिमेंट के 21 सिख सैनिकों ने 10 हजार अफगान सैनिकों को धूल चटा दी थी। इसमें अक्षय कुमार वीर बहादुर हवलदार ईशर सिंह की भूमिका में दिखे थे।

करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश संग शादी पर की खुलकर बात

अभिनेता करण कुंद्रा ने खुलकर बात की। बातचीत के दौरान तेजस्वी प्रकाश के साथ अपनी शादी को लेकर उन्होंने कई जानकारी भी शेयर किए। जब उनसे उनकी शादी के मेन्यू के बारे में पूछा गया, तो करण ने खाने के प्रति अपने प्यार को जाहिर करते हुए कहा, मैं खाने का बड़ा शौकीन हूं। लेकिन जब शादी के खाने की बात आती है, तो मैं इसे पेशेवरों पर छोड़ना पसंद करूंगा। एक पुराने वीडियो का जिक्र करते हुए करण ने शादी की क्या योजना है इस पर मजाकिया अंदाज में बताया, मुझे लगता है कि वह एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) था। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि जब समय आएगा, तो मैं इसके बारे में सोचना शुरू कर दूंगा। मैं यह भी विचार करूंगा कि शादी का आयोजन बड़े या फिर छोटे पैमाने पर होगा। करण ने बताया कि तेजस्वी अक्सर उनके लिए खाना बनाती हैं और यह उनके लिए खास है। उन्होंने कहा, तेजस्वी मेरे लिए खाना बनाती है और यह मेरे लिए बेहद खास है। उन्होंने तेजस्वी की पाक कला की प्रशंसा करते हुए बताया कि तेजस्वी को रसोई में प्रयोग करना कितना पसंद है। उन्होंने बताया, कल भी उसने कुछ प्रयोग किया और मैंने उसे खाया, मुझे उनका बनाया खाना बहुत पसंद आया। करण और तेजस्वी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं, जैसा कि तेजस्वी की मां ने हाल ही में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के एक एपिसोड में पुष्टि की थी। जब फराह खान ने तेजस्वी की मां से पूछा, दोनों की शादी कब होगी? तो उन्होंने उत्साह से जवाब दिया, इसी साल शादी हो जाएगी। मां की इस घोषणा से तेजस्वी शर्म से लाल हो गई और शर्माते हुए बोलीं ऐसी कोई बात नहीं है। भले ही तेजस्वी ने इनकार किया हो लेकिन हाल ही में तेजस्वी ने शादी को लेकर एक बड़ी बात कही थी। उन्होंने कहा, मैं इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मुझे सामान्य कोर्ट मैरिज से कोई दिक्कत नहीं है। हम लोग फिर घूमेंगे, फिरेंगे, ऐश करेंगे।

बता दें, करण और तेजस्वी की मुलाकात 'बिग बॉस 15' में हुई थी। इसके बाद दोनों में दोस्ती हुई और वह प्यार में बदल गया। रियलिटी शो के क्रिसमस स्पेशल वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान, करण ने तेजस्वी प्रकाश को लाल गुलाब देकर प्रपोज किया था।

चुनौतीपूर्ण था यारियां बनाना, दर्शकों का मिला खूब प्यार: दिव्या खोसला

फिल्म निर्माता-अभिनेत्री दिव्या खोसला ने अपनी फिल्म 'यारियां' के निर्माण की प्रक्रिया के दौरान सबसे चुनौतीपूर्ण और शानदार क्षणों को याद किया, जो उनके अनुसार एक पेंटिंग की तरह लगती है। साल 2014 में रिलीज हुई 'यारियां' में हिमांश कोहली, रकुल प्रीत सिंह, निकोल फारिया और एवलिन शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में लक्ष्य, जिया, सलोनी, पारडी और नील की कहानी है, जो सिक्किम के एक कॉलेज में पढ़ते हैं और प्रॉपर्टी डेवलपर्स को अपने कैंपस को ध्वस्त करने से रोकने के लिए एक प्रतियोगिता जीतने का प्रयास करते हैं। दिव्या ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म बनाना बेहद मुश्किल है और यारियां निश्चित रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण थी। मैंने ऐसी जगहें खोजने की कोशिश की, जहां पहले कभी शूटिंग नहीं हुई थी इसलिए मैं सिक्किम और दार्जिलिंग गई। फिल्म निर्माता ने कहा, पहाड़ की चोटियों पर चढ़ना, उन जगहों की तलाश में अंदर और ऊपर की ओर यात्रा करना जो स्क्रीन पर कभी नहीं देखी गई थीं और जब आप यारियां देखते हैं, तो यह एक पेंटिंग की तरह लगती है। हर फ्रेम को मैंने पेंटिंग की तरह दिखने के लिए डिजाइन किया। उन्होंने बताया, फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण थी। लेकिन उससे परे मैं एक नई मां भी थी- जब मैंने शूटिंग शुरू की तो मेरा बच्चा सिर्फ छह महीने का था। दस साल पीछे मुड़कर देखने पर, उन्हें एहसास होता है कि एक नई मां होने के साथ एक फिल्म का निर्देशन करना कितना मुश्किल था। उन्होंने बताया, वह सबसे मुश्किल हिस्सा था, लेकिन सबसे खास हिस्सा दर्शकों का मिला प्यार था।0 फिल्म बॉक्स ऑफिस अच्छी कमाई की और ब्लॉकबस्टर बन गई।

'यारियां' की री-रिलीज पर दिव्या ने कहा, 'यारियां' को पहली बार रिलीज होने पर दर्शकों ने इतना प्यार दिया कि मेरा दिल भर गया।

सीमाओं से आगे निकलकर चुनौती भरी भूमिका निभाना करता है उत्साहित : हेली शाह

हाल ही में रिलीज हुई सीरीज ज्यादा मत उड़ में अभिनय कर रहीं लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री हेली शाह का कहना है कि अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना उन्हें और अधिक उत्साहित करता है। ड्रामा और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण ज्यादा मत उड़ चुनौतियों से भरी दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाने की कोशिश कर रहे युवाओं के संघर्ष और आकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

उन्होंने बताया, एक साथ कई कलाकारों के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा होना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है खुद को ऐसे किरदारों से चुनौती देना जो एक अभिनेता के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। शो में हेली ने काजल की भूमिका निभाई है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी महिला है, जो सामाजिक अपेक्षाओं से पीछे हटने से इनकार करती है। अपने पहले निभाए गए पारंपरिक किरदारों से अलग, काजल बोल्ड, मुखर और हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती हैं। उन्होंने कहा, 'ज्यादा मत उड़' में काजल की भूमिका निभाना मेरे लिए एक नया अनुभव रहा है, क्योंकि वह बोल्ड, निडर और सामाजिक मानदंडों से बंधे रहने से इनकार करती है।

वह अपने मन की सुनती है, अपने लिए खड़ी होती है और मेरे द्वारा पहले निभाई गई भूमिकाओं की तुलना में एक अलग ऊर्जा लेकर आती है। यह रोमांचक और फायदेमंद दोनों रहा है।

महिलाओं की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए करना चाहिए काम: कृतिका कामरा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृतिका कामरा जल्द ही अपने गृहनगर मध्य प्रदेश जाने वाली हैं, जहां वे उन महिला कारीगरों के साथ समय बिताएंगी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने वाली उनकी एक खास पहल का अहम हिस्सा हैं। उन्होंने यह पहल साल 2024 में शुरू की थी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करती है। उनका कहना है कि वे हमेशा से अपने माध्यम का इस्तेमाल अगली पीढ़ी की महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए करना चाहती थीं।

कृतिका ने कहा, मेरी मां मध्य प्रदेश से हैं, इसलिए मेरे लिए इस जगह से गहरा और व्यक्तिगत जुड़ाव है। बचपन में उन्होंने मुझे चंदेरी और उसके खूबसूरत लोगों और कपड़ों की कारीगरी से परिचित कराया। उन्होंने कहा, जब हमने शुरुआत की थी, तो हमारा बड़ा लक्ष्य और कोशिश थी कि राज्य की महिलाओं, खासकर इस क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार दें, उन्हें सशक्त बनाएं और उनके काम को सामने लाएं। हम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि रोजगार बढ़ाएं, इन महिलाओं को अपनी पहचान दें और उन्हें उचित कीमतों का अधिकार दिलाएं, ताकि उनकी जिंदगी बेहतर हो सके।

उन्होंने आगे कहा, एक एक्ट्रेस के रूप में मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें अपनी आवाज का इस्तेमाल महिलाओं की अगली पीढ़ी को ऊपर उठाने के लिए करना चाहिए। हम आगे बढ़ने के साथ-साथ अधिक से अधिक महिलाओं के साथ काम करना जारी रखेंगे और उन्हें सशक्त बनाने में मदद करेंगे। बता दें कि कृतिका उन प्रतिभाशाली कारीगरों के साथ समय बिताने की योजना बना रही हैं, जो उनका समर्थन कर रहे हैं। कृतिका अवसर प्रदान करने और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के योगदान को पहचानने के महत्व को समझती हैं, खासकर मध्य प्रदेश के चंदेरी में गहरी सांस्कृतिक जड़ें रखने वाले हथकरघा और कपड़ा उद्योगों में। कृतिका ने कहा, मध्य प्रदेश मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है।

इंडस्ट्री में लैंगिक भेदभाव पर पूजा हेगड़े ने कही बड़ी बात

अभिनेत्री पूजा हेगड़े का मानना है कि इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर ही लैंगिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि सेट पर महिला कलाकारों को किन समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है।

फिल्म बनाना एक सामूहिक प्रयास है, इसमें सबकी भागेदारी होती है। फिल्म के सेट पर अभिनेत्रियों को लैंगिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। कई बार तो हमें पोस्टर पर क्रेडिट तक नहीं दिया जाता है। यह कहना है अभिनेत्री पूजा हेगड़े का, जिन्होंने हिंदी भाषा के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषा की फिल्मों में भी काम किया है।

फिल्मफेयर के साथ अपनी हालिया बातचीत में पूजा ने इंडस्ट्री में लैंगिक भेदभाव और बड़े-बड़े स्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव को साझा किया। बातचीत के दौरान पूजा ने किसी मेल स्टार के साथ काम करने के दौरान आने वाली परेशानियों पर खुलकर बात करते हुए कहा, यह सभी उद्योगों में है। किसी में काफी बड़े स्तर पर है, तो किसी में छोटे स्तर पर है। ये छोटी-छोटी बातें हैं, जैसे- पुरुष अभिनेता की वैनिटी वैन सेट के पास में खड़ी होती है, जबकि हम लोगों को अपने लहंगे और ड्रेसेज को उठाकर दूर तक चलना पड़ता है। कभी-कभी मैं सोचती हूं, सुनो यार, हमारे बारे में सोचो। हम इतने भारी कपड़ों में हैं और हमें अपनी वैन्स तक पहुंचने के लिए खुद को घसीटना पड़ता है।

दंगल फिल्म में आमिर खान से हुई थी ये गलती, अमिताभ बच्चन ने किया था नोटिस

दंगल आमिर खान की सबसे अच्छी फिल्मों से एक है। लेकिन आमिर खान का कहना है कि फिल्म में एक गलती हो गई, इसलिए ये फिल्म परफेक्ट नहीं है। आइए जानते हैं वह कौन सी गलती है। बॉलीवुड के सुपरस्टार आमिर खान ने कहा है कि दंगल उनकी सबसे अच्छी फिल्म है। फिल्म साल 2016 में आई थी और यह स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म थी। हालांकि फिल्म में एक शॉट ऐसा था जहां वह अपने किरदार से बाहर निकल गए थे। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म में आमिर खान ने पहलवान महावीर फोगाट का किरदार निभाया था। उन्होंने बताया कि ये कोई और नहीं बल्कि अमिताभ बच्चन थे जिन्होंने बताया था कि आमिर खान के अभिनय में एक गलती थी।

अमिताभ बच्चन ने पकड़ी गलती

आमिर खान ने बताया ये मेरे लिए बहुत कठिन है कि मैं ये बता सकूं कि मेरी कौन सी फिल्म सबसे अच्छी है। दंगल मेरी सबसे अच्छी अदाकारी वाली फिल्म है। पूरी फिल्म में सिर्फ एक शॉट है, जहां पर मैंने गलती की है। अमिताभ बच्चन बहुत तेज हैं। उन्होंने वह शॉट पकड़ लिया। मैंने उनसे पूछा कि आपने फिल्म में इसे कैसे पकड़ा? इस पर उन्होंने कहा- बहुत अच्छा लेकिन एक शॉट में आप करेक्टर से बाहर चले गए।

साभार एजेंसी